



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक -03

प्रयागराज, मंगलवार 03 फरवरी, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

ईरान पर हमले का तीसरा दिन

एयरस्ट्राइक-2000 बम गिराए, जंग में हिजबुल्लाह भी शामिल,मोदी ने यूएई प्रेसिडेंट और इजरायल पीएम से बात की

तेहरान। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। अल-जजीरा के मुताबिक, इस दौरान ईरान के 1,000 ठिकानों पर हमला किया गया। इजराइली सेना के मुताबिक, जंग के शुरूआती 30 घंटों में 2,000 से ज्यादा बम गिराए हैं। इस दौरान फाइटर जेट्स ने 700 से ज्यादा उड़ानें भरी हैं। ईरान ने जवाब में इजराइल समेत 9 देशों में अमेरिकी बेस पर हमले किए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि आने वाले दिनों में तेहरान पर हमले और तेज होंगे। शनिवार को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। इन हमलों में 48 ईरानी 'नेता' मारे गए हैं। ईरान में सत्ता संभालने के लिए फिलहाल तीन लोगों की एक अस्थायी समिति बनाई गई है। इसमें देश के राष्ट्रपति मसूद पजकिशियान, न्यायाधीश के प्रमुख मोहसेनी एजेही और धर्मगुरु अलीरजा अराफी शामिल हैं। रविवार को ईरान के हमले में 3 अमेरिकी



का बदला नहीं ले लेते। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों और भारत में सुरक्षा को लेकर पीएम मोदी के आवास पर रविवार रात करीब 9-30 बजे सुरक्षा समिति की बैठक हुई थी। इसमें शाह, राजनय, सीडीएस चौहान, वित्तमंत्री भी शामिल थे। पीएम ने बताया था कि भारत ने यूएई पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत इस मुश्किल

समय में उनके साथ है। वहां रहने वाले भारतीयों का ध्यान रखने के लिए यूएई का धन्यवाद है। हम तनाव कम करने, शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं। पीएम ने यह भी बताया कि इजराइल के घटनाक्रमों पर भारत ने चिंता जताई है। भारत ने नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया है। यही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

भारत दुश्मनी को जल्द खत्म करने की जरूरत पर फिर से जोर देता है। वहीं, इस जंग में लेबनान का उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह भी शामिल हो गया है। उसने इजराइल में कई जगहों पर बमबारी की है। दूसरी तरफ इजराइल ने बॉर्डर से लगे लेबनान के 50 गांव खाली करा लिए हैं। अभी कच्चे तेल के दाम 73 से 75 डॉलर प्रति बैरल हैं। गोल्डमैन सॉक्स का कहना है कि भाव 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंचते

हैं तो पेट्रोल-डीजल महंगे होने की आशंका है। हालांकि भारतीय रिफाइनरियों के पास अभी 10 दिन की जरूरत के लिए कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद रविवार को पाकिस्तान के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इन प्रदर्शनों के दौरान पूरे देश में 23 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। मरने वालों में कराची में 10 लोग, स्कूट में कम से कम 8 लोग और राजधानी इस्लामाबाद में 2 लोग शामिल हैं। ज्यादातर प्रदर्शन पाकिस्तान के शिया मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किए। हालात बिगड़ने पर सुरक्षा बलों ने भीड़ को काबू में करने के लिए आंसू गैस और खर की गोलियों का इस्तेमाल किया। इस्लामाबाद में हजारों लोग संसद, सरकारी दफ्तर और विदेशी दूतावास के पास जमा हो गए हैं। प्रदर्शनकारी जो अमेरिका का साथ देना, वह 'हादर' और 'इजराइल से बदला लिया जाएगा' जैसे नारे लगा रहे हैं।

इजराइली राजदूत बोले- मोदी को पता नहीं था हमला होगा, पीएम का इजराइल दौरा खत्म होने के बाद ईरान पर हमला हुआ

नयी दिल्ली। पीएम मोदी इजराइल दौरे पर 25 और 26 फरवरी को थे, इसके ठीक बाद 28 फरवरी को इजराइल ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर स्ट्राइक्स कर दीं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इजराइल दौरे पर होते हुए पीएम मोदी को इसकी जानकारी दी गई थी? क्या हमले के बाद इजराइल ने भारत के विदेश मंत्रालय से इसके बारे में बात की है? कहीं पीएम मोदी के दौरे को इजराइल ने कवर की तरह तो इस्तेमाल नहीं किया? इजराइल ने सबसे पहले ईरान पर प्रिंसेप्टिव स्ट्राइक का नाम देकर हमले किए। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन हमलों में अमेरिकी भागदारी की जानकारी की पुष्टि की। लेकिन एक साल में दूसरी बार इजराइल ने क्यों ईरान पर हमला

किया? और इजराइल में इस युद्ध को लेकर क्या माहौल है? इजराइल के राजदूत रुवेन अजार से पूछे



पर की इजराइल ने साल में दूसरी बार प्रिंसेप्टिव स्ट्राइक की है, ईरान पर हमले का अंतिम लक्ष्य क्या है? उन्होंने बताया सबसे पहले हम सामने दिख रहे खतरे ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करना चाहते हैं। ईरान दशकों से मिलिट्री न्यूक्लियर प्रोग्राम चलाने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा बैलैस्टिक मिसाइल की ताकत

बढ़ाने के लिए काम कर रहा है, ताकि इजराइल को खत्म कर सके। ईरान पूरे रीजन में अपने प्रॉक्सी ग्रुप को फंड, हथियार और टेक्नोलॉजी दे रहा है। ईरान 2027 तक इजराइल को खत्म करना की बात करता था। जून में हमने उस पर हमले किए थे। ईरान ने अब सहयोग करने से इनकार किया, तो हमने फिर से ऑपरेशन शुरू किया है।' हमें नहीं पता कि ईरान में सत्ता बदलेगी या नहीं, लेकिन हम चाहते हैं कि ये जरूर हो। कुछ हफ्ते पहले ही मौजूदा सरकार ने अपने हजारों नागरिकों को मार दिया था। उन्होंने बताया भारत हमारी स्थिति अच्छी तरह जानता है। पीएम मोदी इजराइल में थे, तब हमें नहीं पता था कि ऑपरेशन होने वाला है। इसकी मंजूरी 28 फरवरी की सुबह दी गई। तब तक पीएम मोदी दौरा पूरा करके लौट चुके थे। इजराइल के विदेश मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर को फोन करके बात की थी।

पैसे को लेनदेन में युवक पर झांका फायर, कमर में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती, छह नामजद

प्रयागराज। धूमनगंज स्थित जयरामपुर मोहल्ले में रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद ने देर रात हिंसक रूप ले लिया।



मारपीट और पथराव के बीच हुई फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। घटना के समय गोली लगने की पुष्टि नहीं हो पाई थी, लेकिन अस्पताल में एक्स-रे के बाद यह बात साफ हुई कि युवक के कमर में गोली लगने से घायल हुआ है। इस मामले में 6 लोगों को नामजद किया गया है। घायल युवक सौरभ को इलाज के लिए स्वरूपनारी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर धूमनगंज थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल से पूछताछ की। देर रात जयरामपुर में कुछ लोगों के बीच पैसें के लेन-देन को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट और

युवक को हिरासत में लिया गया था। रविवार तड़के सौरभ की मांगी गीता थाने पहुंची और तहरीर देकर बताया कि उनके बेटे को कमर में गोली मारी गई है। उन्होंने आरोपितों के नाम भी पुलिस को बताए। तहरीर के आधार पर छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के घरों और संभावित ठिकानों पर दबिश दी और दो लोगों को हिरासत में लिया है। कार्यवाहक थाना प्रभारी चंद्रपाल सिंह ने बताया कि रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें सौरभ को गोली लगी। आरोपितों की तलाश जारी है और रिपट ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर तमाचा- केजरीवाल, हमें खत्म करने के लिए मोदी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में



रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन अदालत ने कहा कि केस फर्जी है। अदालत का फैसला मोदी, अमित शाह और बीजेपी के लिए करारा जवाब है। आप को खत्म करने के लिए खुद प्रधानमंत्री इस केस की निगरानी कर रहे थे। आईआईटी से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकते थे, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में

कोर्ट का फैसला भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि 'आप' को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर 4 साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले केस में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। बीजेपी नेताओं ने मुद्दा पर 100 करोड़

ही रहा। इनकम टैक्स विभाग में नौकरी के दौरान मैंने रिश्तेदारों से मना किया और ईमानदारी से काम किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कोई जांच कराई गई, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आप नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कर्नाट प्लेस के हनुमान मंदिर में शनिवार को पूजा की।

अब नहीं रुकेगी भारत को यूरेनियम की सप्लाई, कनाडा के साथ डील हुई फाइनल

नई दिल्ली। यूरेनियम डील से भारत के सिविल न्यूक्लियर

समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र



एनर्जी प्रोग्राम के लिए लंबे समय तक प्यूल् की सप्लाई सुनिश्चित होगी। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच लॉन्ग टर्म यूरेनियम सप्लाई के ऐतिहासिक डील हुई है। दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और एडवांस्ड रिएक्टर पर भी मिलकर काम करेंगे। वार्ता के बाद दोनों देशों ने कई

में सहयोग का करार भी शामिल है। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर सहमति बनी है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस आर्थिक सहयोग का पूरा फायदा उठाना हमारी प्राथमिकता है।

गुरु से रंगदारी मांगने वाला नाबालिग आरोपी गिरफ्तार, मुंबई फरार होने से पहले ही छिवकी स्टेशन पर धराया

प्रयागराज। जौनपुर जिले के तेजी बाजार थाना क्षेत्र में एक शिक्षक से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और पैस न देने पर फायरिंग करने के मामले में फरार

गई। जौनपुर से पहुंचे अति निरीक्षक मुनाराम को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। बताया गया कि यह कार्रवाई 28 फरवरी 2026



चल रहे 15 वर्षीय नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जीआरपी ने उसे प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन से उस समय पकड़ा, जब वह महानगरी एक्सप्रेस से मुंबई भागने की फिराक में था। गिरफ्तारी के बाद नाबालिग को जौनपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, जौनपुर के तेजी बाजार थाना क्षेत्र में नाबालिग आरोपी ने अपने साथी आनंद सिंह के साथ मिलकर एक शिक्षक से 20 लाख रुपये की फिरोती मांगी थी। जब शिक्षक ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपियों ने अवैध रूप से फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में तेजी बाजार थाने में अपराध संख्या 33/26 व 59/26 के तहत धारा 109(1) और 308 बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी की सूचना तत्काल तेजी बाजार थाना पुलिस को दी

को रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, चोरी-छिपेती और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। शनिवार को तेजी बाजार थाना प्रभारी ने टेलीफोन के माध्यम से जीआरपी प्रयागराज को सूचना दी कि वांछित आरोपी गाड़ी संख्या 22177 महानगरी एक्सप्रेस से मुंबई जा रहा है। सूचना मिलते ही जीआरपी प्रभारी अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में छिवकी चौकी प्रभारी राजेश कुमार वर्मा की टीम सक्रिय हो गई। टीम ने छिवकी स्टेशन और ट्रेन में सघन चेकिंग अभियान चलाया। ट्रेन के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पहुंचने पर पुलिस टीम ने एस-6 कोच की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने नाबालिग आरोपी को दबोच लिया।



ने अपनी जान की परवाह न करते हुए मौत के मुंह से एक रेल यात्री को बचा लिया। यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन के साथ घिसटने लगा। गीता ने तत्काल उसकी तरफ दौड़ लगाई और उसे सुरक्षित प्लेटफार्म की तरफ खींच लिया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को शेयर कर यूजर्स जमकर महिला कॉन्स्टेबल की बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं। जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर लिखी एक्सप्रेस रविवार शाम करीब 17:54 बजे पहुंची। ट्रेन लगभग 12 मिनट ठहरने के बाद 18:06 बजे कानपुर की तरफ रवाना हुई। ट्रेन जब प्लेटफॉर्म छोड़ रही थी, तभी एक यात्री अशोक कुमार ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया। अचानक अशोक का पैर

इससे पहले ही पास ही नैनत कॉन्स्टेबल गीता ने विवक एक्शन लेते हुए अशोक को पकड़कर प्लेटफार्म की तरफ खींचा। सहारा पाकर अशोक ने भी ट्रेन का हैंडल छोड़ दिया। इस दौरान गीता खुद भी लड़खड़ा गई, लेकिन रेलयात्री सुरक्षित बच गया। अमित सिंह, पीआरओ, एनसीआर प्रयागराज ने साहस का परिचय देते हुए तत्काल प्रतिक्रिया की। यात्री को पकड़कर सुरक्षित प्लेटफार्म की ओर खींच लिया। उनकी त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई और यात्री की जान सुरक्षित बचाई जा सकी। महिला कॉन्स्टेबल गीता का यह सराहनीय कार्य 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के तहत उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचायक है।



की गई। इसमें एक नामजद जबकि 50 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। पिछले साल 21 अक्टूबर को पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने पहुंचे रोडवेज के संविदा चालक रावेन्द्र पासी की ईंट मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने पेट्रोल पंप पर धावा बोल दिया और जमकर तोड़फोड़ की थी। हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन पंप में हुई तोड़फोड़ पर कोई केस दर्ज नहीं हुआ। पेट्रोल पंप मालिक देवेंद्र

यादव को पीट दिया। बाकी कर्मचारी किसी तरह भागकर अपनी जान बचा सके। मालिक को पेट्रोल पंप पर लगे उसी दिन धूमनगंज थाने में शिकायत दी थी और सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपा था। यहां तक कि मुख्यमंत्री और डीजीपी को भी पत्र भेजा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब कोर्ट के आदेश पर धूमनगंज पुलिस ने एक नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नैनी को लूलू माल की नहीं बल्कि उद्योगों की जरूरत है - योगेश शुक्ल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल ने उत्तर प्रदेश सरकार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी एवं औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' को पत्र लिखकर प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में लूलू माल के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करने का अनुरोध किया है। योगेश शुक्ल ने कहा कि लूलू माल के आने से हजारों व्यापारियों की दुकानों के बंद होने का खतरा है। श्री शुक्ल ने कहा कि हमारे स्थानीय बाजार सामाजिक समरसता और संस्कृति के केंद्र हैं। ऐसे मालों के आने से नैनी के अंदर उपभोक्तावाद और सामाजिक असमानता बढ़ेगी। नैनी क्षेत्र के लिए लूलू के इस प्रस्ताव पर सरकार कोई

निर्णय लेने से पहले स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों के हितों

आधारित आर्थिक व्यवस्था की आवश्यकता है उसके लिए अर्थ का



और लोक संस्कृति को ध्यान में रखें। श्री शुक्ल ने कहा कि नैनी क्षेत्र छोटे एवं मझोले व्यापारियों का बाजार है तथा मध्यवर्ग का रियायशी इलाका। आत्म निर्भर भारत के लिए जिस स्वदेशी अवधारणा पर

विकेंद्रीकरण अनिवार्य शर्त है। एकात्ममानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का देश की अर्थ नीति के बारे में यही विचार था। श्री शुक्ल ने कहा कि बढ़ते ऑन लाइन मार्केटिंग के कारण खुदरा

व्यापारी पहले से ही दबाव महसूस कर रहे हैं ऐसे में बड़े माल के करण उनकी व्यापारिक मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। श्री शुक्ल ने आशंका व्यक्त किया है कि इतने बड़े माल के आने से नैनी से लेकर चौक, कटरा, सिविलाइस तक के व्यापारियों पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। श्री शुक्ल ने कहा कि माल संस्कृति का समाज पर कई गहरे नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहे हैं। यदि इन प्रभावों को समझा न गया, तो भविष्य में सामाजिक असमानता बढ़ सकता है। योगेश शुक्ल ने बताया कि सदियों से भारतीय समाज की आर्थिक व्यवस्था स्थानीय बाजारों पर आधारित रही है - मोहल्ले की किराना दुकान, कपड़े की छोटी दुकान, सब्जी विक्रेता पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ेगा।

दारागंज स्थित वृद्धाश्रम में होली मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। केदारसुत फाउण्डेशन

वहीं नीरज शुक्ला (गायक तथा संगीत अध्यापक) एवं ओम शिवम

सभी वृद्ध जनों से भेंट कर उनका हाल-समाचार लिया तथा युवाओं



तथा आरव फाउंडेशन व मयोपास

उपाध्याय (गायक व कवि) विशेष

को समाज सेवा हेतु प्रेरित किया। विजेन्द्र पाठक जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए संस्था के लक्ष्य - निर्मल गंगा अभियान, गौ सेवा आदि समस्त सेवा कार्यों हेतु आगे आने का निवेदन किया। उल्लेखनीय है कि केदारसुत फाउंडेशन लगातार

जी ने कहा कि इस मुहिम में हम सभी हाथ से हाथ मिलाकर साथ हैं तथा उन्होंने युवा स्वयं सेवियों को सम्मानित किया। मायोपास के अध्यक्ष श्रीमान आशीष मिश्रा जी ने सभी वृद्ध माता-पिता को गुजिया खिलाकर उन्हें 'होली' की शुभकामनाएं अर्पित कीं। कार्यक्रम के दौरान सभी श्रोतागण गायक नीरज शुक्ला तथा गीत शिवम उपाध्याय जी के गीतों से विशेष रूप से प्रभावित हुए। इस अवसर पर महिला समाज सेविकाओं में कोमल गुप्ता, रिया कुशवाहा, शाहीन, प्रियंका तिवारी जी आदि सक्रिय रूप से उपस्थित रहीं। साथ ही शुभ गुप्ता जी, अधिवक्ता जितेंद्र तिवारी जी, अधिवक्ता विनय तिवारी जी, ओम शिवम उपाध्याय जी एवं आशीष मिश्रा जी की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। साथ ही श्रीमान हिमांशु दुबे जी (प्रांत महामंत्री बीटीएसएम), श्री विजय कुमार पाण्डेय (अधिवक्ता एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत अध्यक्ष), डॉ.

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स



नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

संवेदनशील क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों/चौराहों पर भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को पुलिस

शांति से त्योहार मनाए, इसके लिए विश्वास दिलाया गया एवं अराजक,



उपायुक्त गंगानगर द्वारा होली त्योहार के दृष्टिगत आम जन मानस में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने हेतु थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत लालगोपालगंज में साम्प्रदायिक संवेदनशील क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों/चौराहों पर भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। सभी

उपद्रवियों व शरारती तत्वों को चेतावनी दी गई तथा त्योहारों को शांति व सौहार्दपूर्वक मनाये जाने में विघ्न पैदा न करे अन्यथा कठोर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव, प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज मय फोर्स मौजूद रहे।



चेरिटेबल ट्रस्ट के सामूहिक संयोजन तथा भारत तिब्बत सहयोग मंच के संबोधन से दारागंज स्थित धनराज वृद्धाश्रम में वृद्ध माता-पिता, अनाथ बच्चों तथा समाज सेवी युवा वॉलंटियर्स के साथ होली मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य एवं विशेष अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- इस अवसर पर श्रीमान रौनक गुप्ता जी, डिविजनल हेड, सिविल डिफेंस बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए।

साहित्यिक अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयोजकों द्वारा आभार एवं सम्मान- केदारसुत फाउंडेशन के संस्थापक विजेन्द्र पाठक जी ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए सम्मान समारोह को अग्रसर किया। वृद्धाश्रम की संचालक आदरणीया डॉ सुजाता पाण्डेय जी ने सभी समाज सेवियों को धन्यवाद देते हुए उन्हें सम्मानित किया। युवाओं को समाज सेवा हेतु प्रेरणा- मुख्य अतिथि श्रीमान रौनक गुप्ता जी ने



गंगा स्वच्छता अभियान एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर कार्य कर रहा है। आरव फाउंडेशन के संस्थापक विवेक गुप्ता

वैशाली जैन (एस्ट्रोलॉजर) तथा प्रतिबिंब जी (इंप्रिंटो) ने वर्चुअली संबोधित करते हुए शुभकामनाएं अर्पित किया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini, Prayagraj U.P.-211008. PAN No. ABJPA1540R, Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453 +91-7985619757, +91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:- takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement



होलिका दहन कब है 2 या 3 मार्च को ये होगी चंद्र ग्रहण और भद्रा से मुक्त तारीख

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 2 मार्च की शाम को पूर्णिमा तिथि और प्रदोष काल तो रहेगा, लेकिन उस वक्त भद्रा का साया होने के कारण होलिका दहन करना उचित नहीं होगा. 3 मार्च को भद्रा तो नहीं है. लेकिन शाम के वक्त पूर्णिमा तिथि नहीं होगी. साथ ही, चंद्र ग्रहण का साया भी रहेगा. फिर भी 3 मार्च की तारीख

2 मार्च को शाम 5 बजकर 18 मिनट से भद्रा लग रही है, इसलिए भद्रा के मुख काल को त्यागकर, भद्रा पूछ काल में रात 12 बजकर 50 मिनट से रात 2 बजकर 02 मिनट तक होलिका दहन करना शास्त्र सम्मत माना जा रहा है. क्या 3 मार्च को भी किया जा सकता है होलिका दहन? दरअसल, होलिका दहन की तिथि को लेकर अन्य

रंगभरि होली 4 मार्च 2026, बुधवार को ही खेली जाएगी। कहां कहां दिखाई देगा चंद्रग्रहण? 3 मार्च को लगने जा रहा यह चंद्रग्रहण भारत के अलावा पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर और अमेरिका में भी दिखाई देगा ऐसे में पूरे भारत में होली का पर्व 4 मार्च 2026 को ही मनाया जाना उचित रहेगा होलिका दहन 2 मार्च 2026 को भद्रा पूछ



ज्यादा अनुकूल है आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ ज्योतिषाचार्य हर साल फाल्गुन पूर्णिमा पर होलिका दहन किया जाता है और अगले दिन यानी चैत्र कृष्ण प्रतिपदा पर रंग वाली होली खेली जाती है. इस साल होली की तारीख को लेकर लोग बहुत कन्फ्यूज हैं. कोई 2 मार्च तो कोई 3 मार्च को होलिका दहन बता रहा है. दरअसल, यह सारी कन्फ्यूजन भद्रा काल और चंद्र ग्रहण के कारण हो रही है. हिंदू पंचांग के अनुसार, 2 मार्च को भद्रा काल लगने वाला है. जबकि 3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण रहेगा। क्या रहेगी होलिका दहन की सही डेट? ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी जी के मुताबिक, इस बार होलिका दहन 2 मार्च यानी आज करना सही होगा होलिका दहन प्रदोष काल में करना सबसे शुभ माना जाता है इसी वजह से 2 मार्च यानी आज शाम 6 बजकर 22 मिनट से रात 8 बजकर 53 मिनट के बीच होलिका दहन करना उत्तम रहेगा 3 मार्च को होलिका दहन करना उचित इसलिए नहीं होगा क्योंकि इस दिन चंद्र ग्रहण लग रहा है 4 मार्च को रंग वाली होली यानी धुलंडी खेली जाएगी। आज भद्रा रहित किस मुहूर्त में होगा होलिका दहन? ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी के मुताबिक, फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 2 मार्च को शाम 5 बजकर 18 मिनट पर होगी, जो 3 मार्च को शाम 4 बजकर 33 मिनट तक रहेगी इस प्रकार 2 मार्च को निशाव्यापिनी पूर्णिमा प्राप्त हो रही है. हालांकि,

ज्योतिषाचार्यों ने भी मत दिए हैं जिसमें अयोध्या के बड़े डॉ गिरीश चन्द्र तिवारी ने बताया कि होलिका दहन की सही तिथि क्या होनी चाहिए उनके मुताबिक, 2 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तो है और शाम के समय चंद्रमा का उदय भी होगा, लेकिन उस समय भद्रा भी लगी रहेगी, जो शुभ नहीं मानी जाती है वहीं, 3 मार्च को भद्रा नहीं है, लेकिन उस दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा नहीं मिल रही, क्योंकि पूर्णिमा तिथि खत्म हो रही है ऐसे में सभी नियमों को ध्यान में रखते हुए यह माना जा रहा है कि 3 मार्च को भद्रा रहित समय में होलिका दहन करना ज्यादा सही रहेगा भले ही उस दिन प्रदोष काल न मिले, लेकिन सुबह की पूर्णिमा होने की वजह से शास्त्र इसकी अनुमति देते हैं. 4 मार्च को क्यों खेली जाएगी होली? वैसे तो, ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, होलिका दहन के ठीक अगले दिन होली का पर्व मनाया जाता है लेकिन, इस बार होलिका दहन के ठीक अगले दिन यानी 3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है 3 मार्च को चंद्रग्रहण और सुतक काल होने के कारण उस दिन होली खेलना संभव नहीं होगा इसी वजह से 4 मार्च को रंगभरि होली खेली जाएगी। यह चंद्रग्रहण 3 मार्च को दोपहर 3 बजकर 21 मिनट से शुरू होकर शाम 06 बजकर 46 मिनट तक रहेगा, जो कि भारत में भी दृश्यमान होगा 3 मार्च की शाम को लगने जा रहे इस चंद्र ग्रहण का सुतक काल सुबह 6 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर शाम 6 बजकर 46 बजे तक रहेगा ऐसे में

काल में, रात 12 बजकर 50 मिनट के बाद करना ही शास्त्र सम्मत माना जा रहा है। होलिका दहन की परंपरा-भारतीय नववर्ष का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है इसके पहले बीते वर्ष को विदा करने और उसकी नकारात्मकता को समाप्त करने के लिए चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को होलिका दहन किया जाता है कई स्थानों पर इसे 'संवत जलाना' भी कहा जाता है यह अनुष्ठान बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पेड़ों की लकड़ियों को चौक-चौराहों पर स्थापित कर उसके चारों ओर उपले या कंडे सजाए जाते हैं फिर शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलित की जाती है इसमें छिद्र वाले गोबर के उपले, नए गेहूं की बालियां और उबटन भी अर्पित किए जाते हैं तालिक सालभर उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि बना रहे आखिर हमें होलिका दहन की राख को घर लाकर घर के सदस्यों का तिलक किया जाता है। होलिका दहन के लाभ- ऐसी मान्यता है कि होलिका दहन के अनुष्ठान से मानसिक परेशानियों में कमी आती है रोग, कष्ट और विरोधियों से जुड़ी बाधाओं से राहत मिलती है आर्थिक अड़चनें दूर होने और समृद्धि के मार्ग खुलने की कामना से भी होलिका दहन किया जाता है श्रद्धा से किए गए इस पूजन से ईश्वर की कृपा बनी रहती है होलिका दहन की अग्नि में कुछ खास चीजों की आहुति देने से जीवन की तमाम बाधाएं दूर की जा सकती हैं.(आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी- प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ ज्योतिषाचार्य)

व्यवसाय विकास और संचार पर तीन दिवसीय कार्यशाला 'एस्पायर' का आयोजन

कला कल्प सांस्कृतिक संस्थान और जयपुरिया बिजनेस स्कूल गाजियाबाद द्वारा एस्पायर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद जयपुरिया

अतासी मिश्रा ने किया। प्रमुख वक्ताओं में डीन नितिन सक्सेना,

में भी विस्तार से बताया। शमशेर उप्पल ने कला प्रदर्शन में उच्च



बिजनेस स्कूल गाजियाबाद ने कला कल्प संस्कृत संस्थान दिल्ली के सहयोग से अपने परिसर में भारतीय प्रदर्शन कलाकारों के लिए व्यवसाय विकास और संचार पर तीन

सहायक प्रोफेसर डॉ. स्वधा भारतीय, कला कल्प के उपाध्यक्ष मोहित माधव और एसएम कंसल्टेंसी के निदेशक शमशेर उप्पल शामिल थे। इस कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया

शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए छात्रवृत्ति सुविधा के बारे में जानकारी दी। 'एस्पायर' कार्यशाला के समापन के साथ ही, गाजियाबाद के जयपुरिया बिजनेस स्कूल और दिल्ली के



दिवसीय कार्यशाला 'एस्पायर' का आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था जहां कलाकार समुदाय को यह ज्ञान प्राप्त हो सके कि वे स्वयं को व्यावसायिक रूप से कैसे प्रस्तुत करें, सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत उपस्थिति कैसे बनाएं, अपना बायोडाटा और पोर्टफोलियो कैसे तैयार करें और अपनी कौशल क्षमता के साथ-साथ तकनीकी रूप से भी कैसे सतत बने रहें। कार्यक्रम का उद्घाटन जयपुरिया बिजनेस स्कूल के निदेशक तपन कुमार नायक और कला कल्प की निदेशक डॉ.

कि शिक्षा और कौशल विकास साथ-साथ चलने चाहिए। मोहित माधव ने दोनों संगठनों के बीच इस परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओडिसी नृत्यांगना डॉ. अतासी मिश्रा ने कहा कि वह हमेशा युवाओं को उत्थान के अलग-अलग रास्ते उपलब्ध कराने का प्रयास करती हैं, ताकि पारंपरिक और लोक कलाकार भविष्य में मजबूती से टिके रह सकें और साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और पुनर्स्थापन हो सके। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय द्वारा उपलब्ध अवसरों के बारे

कला कल्प संस्कृत संस्थान के बीच बने सहयोग ने कलाकारों पर अमिट छाप छोड़ी। इस सहयोग ने न केवल कलाकारों को उद्योग के लिए तैयार कौशल प्रदान किए, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित किया। कला कल्प की विशेषज्ञता और जयपुरिया की अकादमिक दक्षता के साथ, यह पहल कलाकार-उद्यमियों की एक नई लहर पैदा करने के लिए तैयार है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरेंगे।

लापरवाही पर गिरी गाज, उपखण्ड अधिकारी निलंबित, संविदाकर्मी दुर्घटना प्रकरण में सख्त कार्रवाई, विभाग में मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मध्याह्न विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ द्वारा बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए विद्युत वितरण उपखण्ड ऊँचाहार के उपखण्ड अधिकारी सचिन गौड़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र ऊँचाहार ग्रामीण से जुड़े 33 केवी ऊँचाहार ग्रामीण पोषक पर हुई गंभीर दुर्घटना के बाद की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 24 जनवरी 2026 को सांय लगभग 7:33 बजे संविदाकर्मी सूरजभान पुत्र रामफेर, निवासी ग्राम दिलभानपुर (निकट गंदा नाला), पोस्ट लक्ष्मीगंज, ऊँचाहार, विद्युत पोल पर कार्य करते समय नीचे गिर गए, जिससे गंभीर दुर्घटना घटित हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग न किए जाने के कारण यह हादसा हुआ।

विभागीय आख्या में स्पष्ट किया गया कि संबंधित कार्यों में शिथिलता, उत्तरदायित्वों के

निर्वहन में घोर लापरवाही तथा उच्चाधिकारियों के निर्देशों का अधीनस्थों द्वारा अनुपालन न कराए जाने के कारण उपखण्ड अधिकारी सचिन गौड़ प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। प्रबंध निदेशक श्रीमती रिया केजरीवाल द्वारा जारी आदेश के तहत श्री सचिन गौड़ को अग्रेतर जांच एवं अनुशासनिक कार्यवाही की प्रतिबंधाधीन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

निलंबन अवधि में उन्हें मुख्य अभियंता (वितरण) अयोध्या क्षेत्र, अयोध्या कार्यालय से सम्बद्ध रखा गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निगम की इस सख्त कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और विभागीय लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में श्री विवेक खरे, बने आरेडिका के नये महाप्रबंधक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। श्री विवेक खरे भारतीय रेलवे के यांत्रिक इंजीनियरिंग संवर्ग के वरिष्ठ अधिकारी हैं, जो वर्तमान में मॉडर्न कोच फैक्ट्री (एमसीएफ), रायबरेली में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 01 मार्च 2026 से उन्हें महाप्रबंधक, एमसीएफ का प्रभार भी सौंपा गया है, जो उनके नेतृत्व एवं प्रशासनिक दक्षता पर विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने वर्ष 1989 बैच के आईआरएसएमई के माध्यम से 03 मार्च 1991 को भारतीय रेल में सेवा प्रारंभ की। तथा 03 मार्च 1991 को ही राजपत्रित सेवा में प्रविष्ट हुए। श्री खरे बीई उपाधि धारक हैं एवं तीन दशकों से अधिक के अपने उत्कृष्ट कार्यकाल में उन्होंने कार्यशालाओं, डीज़ल शोर्ष, मंडलों, अनुसंधान संस्थानों एवं प्रतिनियुक्ति पदों पर महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। उन्होंने अपने प्रारंभिक कार्यकाल में विजयवाड़ा तथा सिकंदराबाद (दक्षिण मध्य रेलवे) में सेवाएं दीं। तत्पश्चात वे लल्लुगुड़ा कार्यशाला एवं तुगलकाबाद डीज़ल शेड (उत्तरी रेलवे) में कार्यरत रहे, जहाँ वर्ष 1997 में उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2000 से 2005 तक वे प्रतिनियुक्ति पर राइट्स लिमिटेड में उप महाप्रबंधक/अपर महाप्रबंधक के रूप में भारत एवं बांग्लादेश की परियोजनाओं का दायित्व संभालते रहे। वर्ष 2005 से 2013 तक उन्होंने आरडीएसओ, लखनऊ में निदेशक के रूप में अनुसंधान, डिज़ाइन मानकीकरण एवं तकनीकी उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके पश्चात वे एडीआरएम, रायपुर तथा मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, चारबाग कार्यशाला, लखनऊ (उत्तरी रेलवे) के पद पर 2016 से 2024 तक कार्यरत रहे, जहाँ उन्होंने आधुनिकीकरण एवं उत्पादन दक्षता में उल्लेखनीय प्रगति की। श्री खरे ने 04 अप्रैल 2024 को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में कार्यभार ग्रहण किया तथा 03 जुलाई 2024 को उन्हें उच्च प्रशासनिक ग्रेड (HAG) में पदोन्नत किया गया। वर्तमान में पीसीएमई एवं महाप्रबंधक के रूप में वे कोच निर्माण में रणनीतिक योजना, उत्पादन विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन एवं तकनीकी आधुनिकीकरण का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने आईएसबी हैदराबाद में प्रबंधन कार्यक्रम सहित विभिन्न उच्च स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय कौशल को और सुदृढ़ किया है। श्री खरे का मूल रेल मंडल दक्षिण मध्य रेलवे है। उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशासनिक दक्षता एवं दूरदर्शी नेतृत्व से आरेडिका उत्पादन, गुणवत्ता एवं नावाचार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा भारतीय रेल के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा। (आर. एन. तिवारी) मुख्य जनसंपर्क अधिकारी।

गांव की एकता ही समाज की असली ताकत : पद्मश्री सुधा सिंह शिव मंदिर निर्माण के शुभारंभ व होली पर डोमापुर में भव्य सम्मान समारोह आयोजित, सुधा ने अंगवस्त्रम से सैकड़ों महिलाएं-पुरुषों को किया सम्मानित, होली पर उड़ा लाल गुलाब आस्था, उल्लास के बीच डोमापुर ग्राम सभा में दिखी सामाजिक समरसता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) महाराजगंज/रायबरेली। सोमवार को डोलक की थाप, अबीर-गुलाल की रंगत क बीच हर-हर महादेव

ही समाज की वास्तविक ताकत है। शिव मंदिर का निर्माण हमारी आस्था के साथ-साथ सामाजिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं



के उद्घोष के बीच डोमापुर ग्राम सभा आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आया। भगवान शिव मंदिर निर्माण (प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार) के शुभारंभ एवं होली के पावन अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में ग्रामसभा डोमापुर की सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। इसी अवसर पर ओलंपियन, पद्मश्री एवं अर्जुन अवॉर्ड्स एवं मॉडर्न कोच फैक्ट्री की खेल अधिकारी सुधा सिंह ने ग्रामीणों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया और होली की मंगलकामनाएं दीं। सुधा सिंह ने महिलाओं के माथे पर अबीर-गुलाल लगाया, उन्हें आत्मीयता से गले लगाया, बच्चों को दुलराया और सभी ग्रामवासियों को प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ होली मनाने का संदेश दिया। सम्मान पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। सुधा सिंह ने कहा कि गांव की एकता, सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक स्थलों का संरक्षण

की भूमिका को समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी से ही गांव सशक्त बनता है। ओलंपियन सुधा सिंह ने समारोह के दौरान उपस्थित पत्रकारों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी हैं और समाज व देश के प्रति उनकी जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ससुराल पहुंची पद्मश्री सुधा सिंह, 'अपनी बहू' के स्वागत में मुस्कुराया डोमापुर-ओलंपियन, पद्मश्री एवं अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित सुधा सिंह जैसे ही अपनी ससुराल डोमापुर पहुंची, ग्रामसभा की सैकड़ों महिलाओं के चेहरे गर्व और स्नेह से खिल उठे। ग्रामीण महिलाओं ने अपनी बहू का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और होली की शुभकामनाएं दीं। सुधा सिंह ने महिलाओं को स्नेहपूर्वक गले लगाया, अबीर-गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी और बच्चों को

झुग्गी के बच्चों संग रंगों में डूबी होली, ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट की अनोखी पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जेजे कॉलोनी सेक्टर-5

उमंग के साथ मनाया गया। ट्रस्ट की संस्थापक भारती नेगी ने बच्चों



हरीला में ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के साथ होली का पर्व उत्साह और

के साथ रंग-गुलाल खेलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चों ने जमकर नाच-गाना किया

और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बच्चों के लिए गर्म समोसे, ब्रेड पकोड़े, नमकीन, लड्डू और होली की पारंपरिक मिठाई गुजिया की व्यवस्था की गई थी, जिसका सभी ने आनंद लिया। संस्थापक भारती नेगी ने बच्चों को होली का महत्व समझाते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। उन्होंने सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और पूरा इलाका रंगों की खुशबू से महक उठा।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

होली से पहले शांति भंग की आशंका पर हुई कार्रवाई,पुलिस ने 6 अराजक तत्वों को भेजा जेल

सोनभद्र। बीजपुर पुलिस ने आगामी होली त्योहार से पहले

चिन्हित किया था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में उमेश कुमार (पुत्र

है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान शांति भंग करने



शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए छह अराजक तत्वों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। यह कार्रवाई सोमवार को की गई। पुलिस ने इन व्यक्तियों पर क्षेत्र में शांति भंग करने की आशंका जताई थी। थानाध्यक्ष राजेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना या अशांति को रोकने के उद्देश्य से इन व्यक्तियों को

रामकुपाल बिहार, निवासी जरहा), अलेश कुमार (पुत्र राम लल्लू, जरहा), मुकेश भगत (पुत्र स्व. विजय भगत, निवासी बिहार), सुनील कुमार (पुत्र शिव दयाल गुप्ता, निवासी बीजपुर शांति नगर), साई राव (निवासी बीजपुर पुनर्वास) और प्रमोद कुमार (पुत्र रामहित गुप्ता, निवासी बीजपुर) शामिल हैं। इन सभी को धारा 170, 126 और 135 के तहत गिरफ्तार किया गया

वालों को बख्शा नहीं जाएगा। थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने क्षेत्र की जनता से होली का त्योहार आपसी सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति नशा कर हुड़दंग मचाता है या शांति व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश करता है, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्राकृतिक खेती सौर ऊर्जा पर फैलाई जागरूकता ,करमा ब्लॉक में होली मिलन समारोह के साथ हुआ आयोजन

सोनभद्र। करमा ब्लॉक के खुटहनियां स्थित इंडियन बैंक

प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है। रासायनिक

स्तर पर उनके कार्यों की भी जानकारी दी। वी एंड पी



ग्राहक सेवा केंद्र में तेजस्वी किसान मार्ट ने एक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर होली मिलन समारोह भी मनाया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामवासियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और समूह सखियों ने भाग लिया। होली के अवसर पर उपस्थित लोगों ने अबीर-गुलाल लगाकर सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक ऊर्जा और सौर ऊर्जा के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। तेजस्वी संगठन न्यास के संस्थापक ई. प्रकाश पाण्डेय ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि

उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, जबकि प्राकृतिक खेती से लागत कम होती है और उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है। पाण्डेय ने प्राकृतिक ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा को ग्रामीण आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बताया। उन्होंने तेजस्वी किसान मार्ट की कार्यप्रणाली और किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों की भी जानकारी दी। सीता देवी ने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, ऋण, उत्पादन और विपणन जैसे कार्यों में सक्रिय योगदान दे रही हैं। उन्होंने समूह सखियों की जिम्मेदारियों और गांव

इंटरप्राइजेज (यूपी नेडा के वेंडर) के प्रतिनिधि आलोक कुमार यादव ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी दी। उन्होंने सौर संयंत्र स्थापना, सरकारी अनुदान, आवेदन प्रक्रिया, पात्रता और लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों पर विस्तृत चर्चा की। यादव ने बताया कि इस योजना से घरों की छत पर सौर पैनल लगाकर बिजली बिल में कमी लाई जा सकती है और दीर्घकाल में आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित ग्रामीणों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सौर ऊर्जा अपनाने और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को घर-घर तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया।

डीएम ने दी जनपदवासियों को होली की शुभकामनाएं

सोनभद्र। सोनभद्र डीएम ने आगामी होली पर्व के मद्देनजर



जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के सुख, शांति और

समृद्धि की कामना करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने

की अपील की। जिलाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि होली रंगों, उमंग

बियार जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग-कांग्रेस नेता मोहन बियार ने सांसद को साँपा ज्ञापन

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक के कांग्रेस नेता मोहन लाल बियार

लाल बियार ने ज्ञापन में बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में



ने सोमवार दोपहर करीब 1 बजे रॉबर्टसगंज में सांसद छोटालाल खरवार को ज्ञापन साँपा और बियार जाति को उचित मंच पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की मांग की। मोहन

बियार जाति को सन 1991 से अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है, जबकि उत्तर प्रदेश में इसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद बियार, थारू,

भोक्सा समेत 17 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की संस्तुति की गई थी, लेकिन बियार जाति को छोड़कर अन्य सभी जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया गया।मोहन लाल बियार ने यह भी बताया कि सन 1956 में बियार जाति को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला था, लेकिन सन 1989 में मनमाथे तरीके से इसे अन्य पिछड़ा वर्ग में स्थानांतरित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि बियार जाति की आर्थिक और सामाजिक स्थिति अत्यंत पिछड़ी हुई है और सांसद से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर सहयोग करें और बियार जाति को पुनः अनुसूचित जनजाति में शामिल कराने के लिए प्रयास करें।

विन्ध्य क्षेत्र

बोलैरो ने चार गायों को मारी टक्कर जिनमे दो की मौत ,अज्ञात चालक पर मुकदमा दर्ज

सोनभद्र।बीजपुर थाना क्षेत्र के सिरसोती-पुनर्वास मार्ग पर

ओर जा रही थी। चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए

नाजुक बनी हुई है और उनके बचने की संभावना कम है।



रविवार सुबह हुई एक घटना में तेज रफ्तार बोलैरो ने चार गायों को रौंद दिया। इस हादसे में दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने सोमवार को इस मामले में अज्ञात बोलैरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तहरीर के अनुसार, बोलैरो गाड़ी सिरसोती से पुनर्वास की

सड़क पर मौजूद चार गायों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो गायों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पीड़ित पशुपालक रामसजीवन गुप्ता और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि घायल मवेशियों में एक बछड़ा और एक गर्भवती गाय शामिल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घायल पशुओं की हालत अत्यंत

हादसे के बाद चालक बोलैरो गाड़ी को मवेशियों के ऊपर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया था। सोमवार को पुलिस ने शिकायतकर्ता रामसजीवन गुप्ता की तहरीर पर अज्ञात बोलैरो चालक के खिलाफ संबंधित थाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस अब वाहन नंबर और चश्मदीदों के आधार पर फरार चालक की तलाश कर रही है।

गोवंश तस्करी का आरोपी गिरफ्तार ,पुलिस से पूछताछ में कबूला जुर्म

प्राथमिक विद्यालय बिछियारी के पास से पकड़ा

सोनभद्र। बभनी पुलिस ने गोवंश तस्करी के एक आरोपी को

तपशील शेख दो बैलों को खमरिया गांव से खरीदकर ले जा रहा था।

इबादुल उर्फ छोटू इस मामले में वांछित है। यह कार्रवाई पुलिस



गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वध के लिए ले जाए जा रहे दो पशु भी बरामद किए हैं। यह गिरफ्तारी प्राथमिक विद्यालय बिछियारी के पास हुई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान तपशील शेख (40 वर्ष) पुत्र स्व. दोस मोहम्मद के रूप में हुई है, जो सोनभद्र के बीजपुर थाना क्षेत्र के झिल्लो खमरिया गांव का निवासी है। उसके खिलाफ थाना बभनी में मु0अ0सं0 39/2026 धारा 3/5/8 गोवध अधिनियम और 11 पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार,

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने ये गोवंश इबादुल उर्फ छोटू पुत्र रोशन निवासी इमरहर, थाना बभनी से खरीदे थे। वह इन्हें इबादुल के घर ले जा रहा था, जहाँ से दोनों मिलकर जंगल के रास्ते बकलतवा नदी पार कर नगर उतारी, झारखंड ले जाने वाले थे। आरोपी ने बताया कि झारखंड से इन गोवंशों को ट्रकों में लौदकर कटने के लिए पंडुआ, पश्चिम बंगाल ले जाया जाता है, जहाँ उन्हें ऊँचे दामों पर बेचा जाता है। उसने स्वीकार किया कि वह पहले भी इसी तरह गोवंश की तस्करी करता रहा है।

अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश पर गोतस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक बभनी और थाना बभनी की पुलिस टीम ने यह गिरफ्तारी की। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनू प्रसाद यादव, उपनिरीक्षक शिवमूरत यादव, हेड कांस्टेबल मनोज गौतम और हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार सिंह शामिल थे। अभियुक्त को विधिक कार्यवाही के लिए न्यायालय रवाना कर दिया गया है।

जंगल में मिला लावारिस महिला का शव ,चरवाहे की सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम

सोनभद्र। धनौरा गांव स्थित जंगल में सोमवार को एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव के एक चरवाहे ने रविवार की शाम मवेशी चराते समय जंगल के सुनसान हिस्से में महिला का शव देखा था। भय के कारण उसने तत्काल किसी को सूचना नहीं दी। सोमवार की सुबह उसने ग्राम प्रधान को घटना की जानकारी दी। प्रधान ने ग्रामीणों के साथ घटनास्थल का जायजा लेने के बाद पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। महिला की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच का है। अब तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव के पास एक पेट्टील पंप पर तेल भरवाने की पच्ची मिली है। पच्ची में 2200 रुपए की तेल खरीद दर्ज की गई है। पच्ची पर वाहन का नंबर और फोन नंबर भी दर्ज है। इसके अलावा महिला के नाक से खून निकल रहा था। उसके शरीर के कपड़े अस्त व्यस्त थे।कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है, जो घटनास्थल से नमूने एकत्र कर जांच कर रही है।

समय से पहले होलिक जलाने पर कार्रवाई सरईगढ़ से दो युवक गिरफ्तार

सोनभद्र। रायपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरईगढ़ में रविवार देर रात कुछ लोगों ने



तय समय से पहले होलिका में आग लगा दी। इस घटना से गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

मामले की गंभीरता को

देखते हुए रायपुर थाना प्रभारी अविनाश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सोमवार दोपहर बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। रितेश के खेत में पुआल का छप्पर लगा था, जिसे गांव के कुछ लड़कों

ने होलिका में डाल दिया था। इसी रंजिश के चलते रितेश और नागेंद्र ने होलिका में आग लगाई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया है। घटना के बाद गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों की सहमति से दोबारा होलिका का निर्माण कराया है। मौके पर पुलिस बल तैनात है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। थाना प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रितेश (पिता शिवमुरत) और नागेंद्र (पिता सुभाष) निवासी ग्राम पंचायत सरईगढ़, टोला पिपराडीह के रूप में हुई है।

होली पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील, हुआ पुलिस का फ्लैग मार्च

सोनभद्र। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शक्तिनगर थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। यह मार्च क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में थानाध्यक्ष शक्तिनगर कमलनयन दुबे और थाना शक्तिनगर के समस्त पुलिस बल ने किया। पुलिस दल ने निमियाटांड, चिल्काटांड, रानीबारी, बस स्टैंड, कोटा बस्ती, बलिया नाला, राजकिशन कॉलोनी सहित एनसीएल और एनटीपीसी कॉलोनी क्षेत्रों में पैदल गश्त और भ्रमण किया। इस दौरान विभिन्न होलिका दहन स्थलों का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।पुलिस अधिकारियों ने

स्पष्ट चेतावनी दी कि होली के दौरान हुड़दंग, अवांछनीय गतिविधियों में शामिल होने या किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च के दौरान, पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया और उनसे आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपेक्षा करते हुए आश्चस्त किया कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाएगी, ताकि सभी लोग होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मना सकें।

कैंसर का डर दिखा कर किया बच्चेदानी का ऑपरेशन ,पेट में छोड़ दी पट्टी और रूई-केस दर्ज

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र में महिला के बच्चेदानी का ऑपरेशन करने के बाद सर्जन ने पेट के अंदर ही ड्रेसिंग पट्टी और

अस्पताल में अच्छा सर्जन बुलाकर ऑपरेशन करवा देंगी। उसने 5 सितंबर 2025 को बहन को वहां भर्ती करा दिया।उसी दिन उसकी



रूई छोड़ दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज को 17 हजार का बिल थमा कर छुट्टी दे दी और डिस्चार्ज पेपर भी नहीं दिया। चार दिन बाद जब टांका काटने के लिए बुलाया गया तो पता चला कि अंदर का टांका टूट गया है। सर्जन ने फिर से ऑपरेशन किया और 27 हजार का बिल बनाया। छुट्टी के बावजूद मरीज के पेट में दर्द और हल्का पस बना रहा। इसके बाद परिवार के लोग मरीज को लेकर सीएचसी पहुंचे। यहां मरीज के जांच के दौरान पेट में ड्रेसिंग पट्टी और रूई पड़े होने के खुलासे ने उनके होश उड़ा दिए। इसके बाद मरीज को वाराणसी जाकर ऑपरेशन कराना पड़ा। जहां 14 फरवरी को डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके महिला के पेट से ड्रेसिंग पट्टी और रूई बाहर निकाली। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने महिला डॉक्टर के खिलाफ संबंधित थाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच में जुटी हुई है। कोतवाली क्षेत्र के मझिगावां चौहान निवासी मनोज कुमार का आरोप है कि उसकी बहन उषा देवी (43) पत्नी संतराम मौर्य निवासी बट, मधुपुर, थाना रॉबर्टसगंज को पेट में दिक्कत थी। इसकी रिपोर्ट दिखाने के लिए वह घोरावल क्षेत्र के पीसीएम अस्पताल पिपरवार गईं। वहां डॉ. अनीता सिंह मिली। उन्होंने रिपोर्ट देखकर कहा कि बच्चेदानी में समस्या है। तत्काल ऑपरेशन करा लीजिए नहीं तो कैंसर हो जाएगा। वह अपने ही

बच्चेदानी काटकर बाहर निकाल दी गई। बाहर से कोई डॉक्टर नहीं बुलाया गया। डॉ. अनीता ने खुद ही ऑपरेशन किया। 13 सितंबर 2025 को 17 हजार का बिल बनाया और रुपए लेकर छुट्टी दे दी। कोई डिस्चार्ज पेपर नहीं दिया गया। चार दिन बाद टांका काटने के लिए बुलाया। 17 सितंबर को पहुंचने पर कहा गया कि अंदर का टांका टूट गया है। दोबारा ऑपरेशन करना पड़ेगा। ऐसा न किए जाने पर जान जाने का डर दिखाते हुए 21 सितंबर को फिर से ऑपरेशन कर दिया गया। 10-12 दिन बाद 27 हजार का बिल बनाया गया। रुपये जमा करने के बाद छुट्टी दी गई। इस बार भी डिस्चार्ज पेपर नहीं दिया गया। कई दिनों तक दवा-उपचार के बाद भी घाव से दर्द और हल्का पस आने की स्थिति बनी रही। लगातार दवा के बाद भी आराम न मिलने पर वह उसे लेकर पीएचसी घोरावल पहुंचा। इस अस्पताल में डॉक्टरों के लापरवाही से कई अन्य मौतें भी हो चुकी हैं। ग्रामीणों के शिकायत के बावजूद भी सीएमओ कीओर से अब तक इस अस्पताल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, प्रभारी निरीक्षक बुजेश कुमार सिंह के ने बताया कि शनिवार को देर रात पीसीएम अस्पताल के डॉ. अनीता के खिलाफ बीएनएस की संबंधित थारा-एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है।

मांची पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए 43.920 लीटर अवैध शराब करि जब्त ,एक गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस ने होली पर्व के मद्देनजर चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। मांची पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग के दौरान



43.920 लीटर अवैध अंग्रेजी व देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर की गई।यह घटना 1 मार्च 2026 की है, जब प्रभारी निरीक्षक भैया एस.पी. सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मांची मोड़ तिराहा, ग्राम सुअरसोत में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान खलियारी की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल चालक ने पुलिस टीम को देखकर हड़बड़ाहट में वाहन मोड़कर भ्रामने का प्रयास किया। पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी विकास कुमार खरवार (उम्र करीब 21 वर्ष, निवासी ग्राम लौदा, थाना लोहरा,

मोटरसाइकिल भी जब्त की गई, जिसका वेचिस नंबर ईईए129थ ४0432 है। इस गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना मांची में मु0अ0सं0 14/26 धारा 317(2) बीएनएस व 60/63/72 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भैया एस.पी. सिंह, उपनिरीक्षक आशीष पटेल (चौकी प्रभारी सुअरसोत), हेड कांस्टेबल पिन्नु सिंह, हेड कांस्टेबल अमरेंद्र कुमार और कांस्टेबल संदीप सरोज शामिल थे।

भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले 5 बेहतरीन खिलाड़ी,सैमसन ने विंडीज से करी या मरो मैच जिताया बुमराह-ईशान ने पाकिस्तान को हराया

नयी दिल्ली। डिफेंडिंग 3 मैच में एक फिफ्टी के सहारे हो गई। ऐसे में ईशान ने तिलक



चैंपियन भारत ने छठी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया ने अपने अभियान का आगाज लीग स्टेज के तीनों मैच जीतकर किया। लेकिन, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम पहला सुपर-8 मैच साउथ अफ्रीका से हार गई। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली हार के बाद टीम इंडिया की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई थी। इसके बाद उसने लगातार दो मैच जीतकर टॉप-4 में एंट्री की। कोलकाता में भारत-वेस्टइंडीज का मैच करो या मरो था। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही कैरेबियाई टीम ने 20 ओवर में 195 रन बनाए। संजू सैमसन 196 रन चेज कर रही भारतीय टीम से ओपन करने उतरे और मैच जिताकर लौटे। सैमसन ने 50 बॉल पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली। सैमसन

143 रन बना चुके हैं।14 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। 176 रन चेज कर रही पाकिस्तान ने एक रन पर साहिबजादा फरहान का विकेट गंवाया। अगले ही ओवर में बुमराह ने सईम अयूब (6 रन) और कप्तान कप्तान सलमान अली आगा (4 रन) को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। इससे पाकिस्तानी टीम उबर नहीं सकी और 61 रन से हार गई।

इस जीत ने भारत को सुपर-8 में पहुंचा दिया।ईशान मौजूदा वर्ल्ड कप में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 61 और पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन बनाए। वे पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा के साथ ओपन करने उतरे। लेकिन अभिषेक जीरो पर आउट

वर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को 175 रन के स्कोर तक पहुंचाया।टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टॉप-3 विकेट टेकर्स में शामिल हैं। भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। अब तक खेले गए 7 मैचों में 12 विकेट चटका चुके हैं। नामीबिया और नीडरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ भी 2 विकेट चटकाए थे।बैट और बॉल दोनों से योगदान दिया। अब तक खेले गए 7 मैचों में 172 रन बनाए। इनमें दो फिफ्टी शामिल रही। उन्होंने 156.36 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पंड्या ने नई बॉल से गेंदबाजी की। पाकिस्तान वे5 खिलाफ मुकाबले में साहिबजादा फरहान को पहले ही ओवर में जीरो पर पवेलियन भेज दिया। पंड्या अब तक 6 विकेट ले चुके हैं।

कोलकाता। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा रनचेज करते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। आखिरी सुपर-8 मुकाबले में टीम इंडिया ने 196 रन के लक्ष्य को 19.2 ओवर में हासिल कर वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया। ईडन गार्डन्स में जीत के हीरो संजू सैमसन रहे, जिन्होंने नाबाद 97 रन की पारी खेलकर विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे टारगेट



का पीछा करते हुए भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले प्लेयर बने।भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में छठी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस उपलब्धि के साथ टीम ने पाकिस्तान और इंग्लैंड की बराबरी कर ली है। दोनों टीमों भी 6-6 बार अंतिम-4 में पहुंच चुकी हैं।वेस्टइंडीज के खिलाफ 196 रन का लक्ष्य हासिल कर भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा रनचेज

टी-20 वर्ल्डकप भारत ने अपना सबसे बड़ा रनचेज किया ,संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा टारगेट का पीछा करते हुए सबसे बड़ी पारी खेली

दर्ज किया। इससे पहले 2014 में टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 173 रन चेज किए थे। ओवरऑल यह टूर्नामेंट इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज रहा। इससे बड़ा चेज 2016 में वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 230 रन बनाकर किया था।संजू सैमसन ने 97 रन की पारी खेलकर टी-20 वर्ल्ड कप रनचेज में भारत के लिए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी



का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले 2016 में विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 82 रन बनाए थे।ओवरऑल टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से यह दूसरी सबसे बड़ी पारी है। 2010 में सुरेश रैना ने 101 रन की शतकीय पारी खेली थी।सूर्यकुमार यादव भारत के लिए 50 टी-20 मैचों में कप्तानी करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। उन्होंने 50 में से 38 मुकाबले जीतकर 81.25

ईरान फीफा वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर सकता है,फेडरेशन प्रेसिडेंट बोले-जंग के बीच अमेरिका में फुटबॉल खेलना मुश्किल

नयी दिल्ली। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' पर युद्ध का साया मंडराने लगा है। इजरायल और अमेरिका के हमलों के कारण ईरान टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर सकता है। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के

11 जून से टूर्नामेंट

जनायका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई के बीच अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला

प्रतिशत का शानदार जीत प्रतिशत दर्ज किया, जो इस सूची में सबसे बेहतर है। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी (73 मैच), रोहित शर्मा (62 मैच) और विराट कोहली (50 मैच) यह आंकड़ा छू चुके हैं।जसप्रीत बुमराह ने टी-20 क्रिकेट में शिमरन हेटमायर को छठी बार अपना शिकार बनाया। खास बात यह है कि हेटमायर ने बुमराह के खिलाफ 10 पारियों में सिर्फ 17 रन बनाए हैं। उनका औसत 2.83 और स्ट्राइक रेट 73.91 का रहा है।शिमरन हेटमायर ने इस टी-20 वर्ल्ड कप में 19 सिक्स लगाकर एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने इस मामले में साहिबजादा फरहान और निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया।वेस्टइंडीज ने इस टी-20 वर्ल्ड कप में अब तक 76 सिक्स लगाए हैं और एक टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली दूसरी टीम बन गई है। इस सूची में शीर्ष स्थान पर 78 सिक्स के साथ बुगारिया की टीम है।रोबमैन पॉवेल टी-20 क्रिकेट में वेस्टइंडीज के लिए 150 सिक्स लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में निकोलस पूरन को पीछे छोड़ा। इस सूची में क्रिस गेल और कीरोन पोलार्ड जैसे बड़े हिटर्स के नाम भी शामिल हैं।हारदिक पंड्या टी-20 वर्ल्ड कप में 400 से ज्यादा रन और 30 से ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे ऑलराउंडर बने। उनसे पहले यह उपलब्धि शाकिब अल हसन और शाहिद अफरीदी हासिल कर चुके हैं।

होली में पहले से करें ये जरूरी तैयारियां-रंग कैसे छुड़ाएं,छुड़ाते हुए बरतें 10 सावधानियां,6 स्पेशल स्किन फ्रेंडली उबटन

नयी दिल्ली। इस साल होली 4 मार्च, 2026 को मनाई जाएगी। लोग रंग-गुलाल, मिठाई और संगीत के साथ इस पर्व का आनंद लेते हैं। रंग लगाने में तो बहुत मजा

उन्हें बांध लें या स्कार्फ/कैप से ढक लें। ड्राई और केमिकल ट्रीटमेंट वाले बालों पर खास ध्यान दें। रंग खेलने के बाद बालों को हल्के शैंपू से साफ करें और कंडीशनर जरूर लगाएं।



बातों का ख्याल रखना जरूरी है। जवाब- चेहरे की स्किन बहुत नाजुक होती है, इसलिए रंग छुड़ाते समय ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। जैसेकि- सबसे पहले सूखे रंगों को कपड़े या हाथों से झाड़ लें। इसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धोएं। आंखों के आसपास खास सावधानी रखें। फिर किसी

मददगार हो सकते हैं? जवाब- होली के रंग छुड़ाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। जैसेकि- बेसन और दूध का उबटन लगाकर 10-15 मिनट बाद धो लें।पका पीपता और हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाकर लगाएं। फिर साफ पानी से धो लें। मुल्लानी मिट्टी और दही का लेप भी रंग छुड़ाने में मदद



माइल्ड फेसवॉश या क्लींजर का इस्तेमाल करें। अगर रंग फिर भी न छूटे तो बेसन और दही का पेस्ट बनाकर लगा सकते हैं। इसके अलावा हल्दी और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट लगा सकते हैं। मुल्लानी मिट्टी में नींबू की कुछ

करता है।खीरे का पेस्ट स्किन को ठंडक देता है और रंग छुड़ाने में मदद करता है। नींबू की कुछ बुंदें बेसन में मिलाकर लगा सकते हैं। किसी भी उपाय के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि ड्राईनेस न हो।सवाल- क्या लंबे



बूंदें डालकर इसे चेहरे पर लगा सकते हैं। एलोवेरा जेल या कोई अच्छा मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि ड्राईनेस की समस्या न हो। ध्यान रहे, रंग छुड़ाने और चेहरा साफ करने के लिए पानी यूज न करें। इससे रंग और पक्का हो सकता है। सवाल- स्किन पर लगे रंग को छुड़ाते समय किस तरह की गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- चेहरे का रंग छुड़ाते समय स्किन को जोर से न रगड़ें। इससे जलन और रेशेज हो सकते हैं। हाश्र साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल वाले प्रोडक्ट बिल्कुल न लगाएं। अगर स्किन पर रेडनेस, खुजली या सूजन दिखे तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। साथ ही कुछ बातों का खास ख्याल रखेंसवाल- होली के रंगों से बालों को कैसे बचाएं? जवाब- रंग खेलने से पहले बालों में अच्छे तरह नारियल या सरसों का तेल लगा लें। इससे बालों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनती है। रंग खेलते वक्त बालों को खुला न छोड़ें,

समय तक रंग लगा रहना नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, केमिकल युक्त रंग स्किन पर ज्यादा देर तक लगे रहने से जलन, खुजली, रेडनेस या एलर्जी हो सकती है। कुछ मामलों में दाग-धब्बे भी पड़ सकते हैं। सेंसिटिव स्किन या स्किन डिजीज से पीड़ित लोगों में जोखिम ज्यादा रहता है। इसलिए रंग को ज्यादा देर तक स्किन पर लगा न रहने दें। सवाल- नाखूनों से रंग कैसे निकालें? जवाब- सबसे पहले नाखूनों को हाश्र साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल वाले प्रोडक्ट बिल्कुल न लगाएं। अगर स्किन पर रेडनेस, खुजली या सूजन दिखे तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। साथ ही कुछ बातों का खास ख्याल रखेंसवाल- होली के रंगों से बालों को कैसे बचाएं? जवाब- रंग खेलने से पहले बालों में अच्छे तरह नारियल या सरसों का तेल लगा लें। इससे बालों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनती है। रंग खेलते वक्त बालों को खुला न छोड़ें,

होली पर मिलावटी खाद्य पदार्थों से सावधान,हो सकते हैं गंभीर परिणाम,इन 4 तरीकों से घर पर करें शुद्धता की जांच

नयी दिल्ली। होली का त्योहार नजदीक है। इसके चलते बाजारों में मिठाइयों की डिमांड बढ़ गई है। इसी मौके का फायदा उठाकर कुछ मिलावटखोर बाजार में मिलावटी खोया (मावा) सलाई कर रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 12,800 किलो खोया की बिक्री पर रोक लगा दी। शुरुआती जांच में इसमें मिलावट के संकेत मिले हैं,

वनस्पति घी जैसी चीजें मिलाई जाती हैं। मिलावटखोर मुनाफा बढ़ाने के लिए साबुन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल, यूरिया या डिटर्जेंट जैसे हानिकारक पदार्थ भी मिलाते हैं। मिलावटी खोया दिखने में असली जैसा लग सकता है। लेकिन इसका सेवन सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। सवाल- मिलावटी खोया खाने के क्या हेल्थ रिस्क हैं? जवाब- मिलावटी खोया

है? जवाब- मिलावटी खोया में मौजूद सिंथेटिक केमिकल और ट्रांस फैट गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल म्यूकोसा (आंतों की अंदरूनी लेयर) को इरिटेट कर सकते हैं। इससे गैस्ट्राइटिस, उल्सी, दस्त और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ केमिकल आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन भी बिगाड़ देते हैं, जिससे पाचन कमजोर पड़ सकता है। लंबे समय में पोषक तत्वों के अवशोषण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सवाल- घर पर असली और नकली खोया की पहचान कैसे करें? जवाब- फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके लिए कुछ आसान तरीके बताए हैं। घर पर शुद्ध खोया बनाना बहुत आसान है। बस इसके लिए थोड़े धैर्य की जरूरत होती है। कड़ाही में दूध डालें और तेज आंच पर एक उबाल आने दें। उबाल आने के बाद आंच को मीडियम कर



जिसके बाद नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। प्रशासन ने एक और कार्रवाई के दौरान 760 विटल से ज्यादा खोया नष्ट कराया। ये कोई एक मामला नहीं है। देश के कई हिस्सों से मिलावटी खोया मिलने और उसकी बिक्री पर कार्रवाई की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। मिलावटी खोया सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। इसे खाने से अपवा, पेट दर्द, एसिडिटी, और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में मिलावटी और शुद्ध खोया का फर्क

खाने से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ जाता है। जैसेकि- पेट दर्द, अपच, गैस और दस्त जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। बासी या खराब खोया फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। लिवर और किडनी पर बुरा असर पड़ता है। हार्ट हेल्थ पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर खोये में डिटर्जेंट या यूरिया मिला हो तो केमिकल टॉक्सिसिटी हो सकती है। इससे किडनी और लिवर डैमेज का खतरा हो सकता है। गंभीर



हैं। दूध को लगातार चलाते रहें। किनारों पर जमने वाली मलाई को खुरचकर वापस दूध में मिलाते रहें। इससे खोया लच्छेदार बनेगा। जैसे-जैसे पानी सूखता जाएगा, दूध

असुरक्षित फूड बेचना पकड़ा जाता है, तो उस पर- मामले की गंभीरता के अनुसार भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। लाइसेंस रद्द या निलंबित किया जा सकता है। दुकान सील की जा सकती है। अगर मिलावटी फूड से किसी की तबीयत खराब हो जाए या उसकी जान को खतरा हो, तो दोषियों को जेल की सजा भी हो सकती है। फूड सेफ्टी ऑफिसर जांच के बाद सैपल लैब में भेजते हैं और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाती है।सवाल- बाजार से खोया खरीदते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसे नीचे दिए पॉइंट्स से समझिए- खोया हमेशा भरोसेमंद और लाइसेंस प्राप्त दुकान से ही खरीदें। बहुत सस्ता या सड़क किनारे खुले में रखा खोया न लें। खरीदते समय उसकी खुशबू और टेक्सचर पर ध्यान दें। अजीब गंध या ज्यादा दानेदार बनावट मिलावट का संकेत हो सकती है। फूड खोया लेते समय मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट जरूर जांचें। खरीद का बिल संभालकर रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर शिकायत की जा सके। सवाल- खोया लगभग कितने दिनों तक यूज किया जा सकता है? जवाब- खोया ज्यादा खराब होने वाला डेयरी प्रोडक्ट है। गर्मी के मौसम में सामान्य कमरे के तापमान पर यह कुछ घंटों में ही खराब हो सकता है।



जाएगा। ईरान को अपने तीनों मैच अमेरिका में ही खेलने हैं। ईरानी स्पोर्ट्स वेबसाइट 'वर्जिश-3' से बातचीत में मेहदी ताज ने कहा, 'इस हमले के बाद हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें।

'अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव का माहौल बन गया। ईरान के लिए स्पोर्ट्स के अलावा राजनीतिक परेशानियां भी कम नहीं हैं। ट्रंप सरकार ने ईरानी फौंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया है। ऐसे में ईरानी टीम का अमेरिका जाकर खुलकर खेल पाना भी मुश्किल लग रहा है। अमेरिका में होने हैं ईरान के मैच- ईरान को वर्ल्ड कप के लिए ग्रुप-जी में रखा गया है। शेखुल के मुताबिक, ईरान को अपने मुकाबले अमेरिकी शहरों में ही

ने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया तो फीफा को फाइनैशियल नुकसान उठाना पड़ सकता है। खेल जगत में यह पहला मौका नहीं है जब कोई देश वर्ल्ड कप बॉयकॉट करने के बारे में सोच रहा हो।

मिछले महीने ही बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने सुरक्षा कारणों को हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था। जिसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दे दी।क्रिकेट वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हुआ। 1 मार्च तक फर्स्ट फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारत, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में एंट्री की है।



असली या नकली खोया?

समझना और उसे पहचानना बेहद जरूरी है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके लिए कुछ आसान तरीके बताए हैं। विषय को समझेंगे डॉ. रोहित शर्मा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली श्याम प्रवेश शाही, शेफ, नई दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मिलावटी खोया में आमतौर पर किन चीजों की मिलावट की जाती है? जवाब- मिलावटी खोया तैयार करने के लिए अक्सर इसमें स्टार्च, मैदा, सिंथेटिक दूध, रिफाईंड तेल या

मामलों में यह जहर जैसा असर भी कर सकता है। सवाल- मिलावटी खोया खाने से हार्ट हेल्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- मिलावटी खोया में मौजूद पाम ऑयल (ट्रांस फैट), यूरिया, स्टार्च, डिटर्जेंट और हानिकारक केमिकल्स शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट पर दबाव बढ़ सकता है। लंबे समय में इससे आर्टरीज (धमनियों) में ब्लॉकेज और हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ता है। सवाल- मिलावटी खोया खाने से पाचन तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ता

गाढ़ा होकर रबड़ी जैसा दिखने लगेगा। इस दौरान आंच को थोड़ा कम कर दें, ताकि छींटे न पड़ें और मिश्रण जले नहीं। जब दूध पूरी तरह गाढ़ा होकर कड़ाही छोड़ने लगे और एक जगह इकट्ठा होने लगे, तो समझ लीजिए कि खोया तैयार है। गैस बंद कर दें और खोया को एक बर्तन में निकाल लें। ठंडा होने के बाद यह और भी सख्त और दानेदार हो जाएगा। इसे एयरटाइट डिब्बे में रखकर फ्रिज में 4-5 दिन तक और फ्रीजर में महीने भर तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

‘डिग डॉन’.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बैंगलुरु में ‘ग्रीन लाइन’ मेट्रो सर्विस वे वाज़ा रहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ



सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए। इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बैंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे वो किसी ऐसे ‘घोड़े बेचके सोने वाले’ रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े

गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष

अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम



केद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विटजरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक घटल-पुशल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी की 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25

लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक अमेरिकी महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवाधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01

भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी। ज़िंसा सो हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

डीपफेक और गलत सूचनाओं के ढेर में सच्चाई को कहा खोजें?

कभी-कभी कुछ घटनाएं हमसे विशेष प्रतिक्रिया की मांग करती हैं। विश्व युद्धों, परमाणु हथियारों की ईजाद और शीत युद्ध के समय ऐसा ही हुआ था। जनरेटिव एआई को



भी मैं इसी श्रेणी में रखता हूं। और इसके बावजूद एआई पर होने वाली चर्चाएं अकसर अलग-अलग खानों में बंटी रहती हैं। तकनीकविद इस बिंदु पर तो यकीनन सही हैं कि एआई सब कुछ बदल देगा- और तेजी से बदलेगा- और पारम्परिक नीतिगत ढांचा उसके साथ कदम नहीं मिला पा रहा है। किंतु जैसे युद्ध को केवल जनरलों पर नहीं छोड़ा जा सकता- चाहे वे कितने ही प्रतिभाशाली क्यों न हों। अधिकांश एआई तकनीकविद और आंत्रप्रेन्योर अत्यंत आशावादी हैं। वे चिकित्सा में क्रांतिकारी प्रगति, शारीरिक श्रम के उन्मूलन, उत्पादकता में तीव्र वृद्धि और वैश्विक समृद्धि की कल्पना करते हैं। वे ऐसे परिणामों की अपेक्षा इसलिए करते हैं, क्योंकि इसमें उन्हें लाभ की संभावना है। किंतु साथ ही इसलिए भी, क्योंकि टेक्नोलॉजी की क्षमताओं में उनका विश्वास अडिग है। हाल ही में मैंने एक प्रतिभाशाली युवा सीईओ को बताया की, जिनका एआई स्टार्टअप पहले ही कई अरब डॉलर के वैल्यूएशन तक पहुंच चुका है। जब उनसे पूछा गया कि एआई डीपफेक और गलत सूचनाओं की समस्या उन्हें चिंतित करती है या नहीं तो उन्होंने उत्तर दिया : बिल्कुल नहीं। आपको बस यह वेरिफाई करना है कि कोई चीज विश्वसनीय स्रोत से आई है।’ लेकिन क्या ऐसा सम्भव है? जब उन्हें कोई तस्वीर, दस्तावेज, ऑडियो रिकॉर्डिंग या वीडियो भेजा जाएगा, तो ये तथाकथित विश्वसनीय स्रोत यह कैसे जानेंगे कि क्या वास्तविक है? और जब ऐसे फोटो या वीडियो हजारों की तादाद में आएंगे, जिनमें से प्रत्येक दूसरे का खंडन कर रहा होगा, तब वे क्या करेंगे? हम कैसे जानेंगे कि सोशल मीडिया पर प्रकाशित कोई सामग्री वास्तविक है या नहीं? और जब समाचारों के स्रोतों को भी हर सामग्री की वास्तविकता की श्रमसाध्य जांच

करनी पड़ेगी तो वो कैसे समसामयिक और लाभप्रद बने रहेंगे? सटीक भविष्यवाणियां करने में मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों का रिकॉर्ड भी निराशाजनक रहा है। उन्होंने ही

बड़े विश्वास से हमें बताया था कि वैश्वीकरण से सभी को लाभ होगा; कि रेगुलेशंस कम करने से वित्तीय संकट उत्पन्न नहीं होगा; कि विकास का अर्थशास्त्र अफ्रीका की समस्याएं सुलझा देगा; और हमें एकाधिकारों को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। फिर भ्रष्टाचार संबंधी समस्या भी है। इन वर्षों में अनेक प्रमुख अर्थशास्त्रियों की आय का बड़ा हिस्सा कॉर्पोरेट भुगतान से आया है। यकीनन, कुछ अपवाद भी हैं। एन्थोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई के अवसरों और उसके खतरों- दोनों के बारे में सुझबूझ और ईमानदारी दिखाई है। अर्थशास्त्र में नोबेल विजेता साइमन जॉनसन ने एक लेख में बताया था कि किस प्रकार अमेरिकी वित्तीय उद्योग ने फेडरल रज़रल्वी को कब्जे में लेकर मंदी को जन्म दिया था। किंतु अर्थशास्त्रियों का ओवरऑल रिकॉर्ड विश्वास नहीं जगाता, खासतौर पर तब, जब अनेक अर्थशास्त्री इस टेक्नोलॉजी के सम्भावित लाभों और खतरों- दोनों को कम करके आकंटे प्रतीत होते हैं। मैंने एक खास बात नोटिस की है।मैं जितने भी श्रेष्ठ एआई फाउंडर्स से मिला हूं, उनमें से अनेक ग्रैजुएट या यहां तक कि अंडरग्रेजुएट स्तर पर भी पढ़ाई छोड़ चुके हैं (वास्तव में, 200,000 डॉलर की थेइल फेलोशिप के लिए तो यह शर्त है कि इसके प्राप्तकर्ताओं के पास विश्वविद्यालय की डिग्री न हो।) इसके विपरीत, पारम्परिक नीति-निर्माण एक जड़, नौकरशाही तंत्र पर निर्भर करता है, जिसकी चरमराती मशीनरी एआई के सामने कहीं नहीं ठहरती। यकीनन, हम विश्वविद्यालयों, थिंक टैंकों या सरकारी नीति-निर्माण के तंत्र को तो समाप्त नहीं कर सकते। किंतु असाधारण परिस्थितियों असाधारण प्रतिक्रियाओं की मांग करती हैं। अनेक नीतिगत मुद्दों पर धीमी और पारम्परिक प्रक्रिया भले स्वीकार्य हो- एआई के मामले में ऐसा नहीं किया जा सकता। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट चार्ल्स फर्ग्यूसन)

‘चुपचाप भुगतने दो’ की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैंकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त

करने वेेेे लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैंसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल

में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें।



रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, ‘शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और किंतना घटिया खाना मिलता है। दो घंटे चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, का अर्थ है मैं यह काम कर रहा



कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव

हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल।

खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुब्बारा लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुझा रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की



यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैंडलइन के साथ शुरुआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इसे बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां अब के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उप वालों के लिए: हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलनिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन

करेगा?8 वर्ष उप वालों के लिए: कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए बेहतर होते हैं- उदाहरण के लिए ‘यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता।(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उप वालों के लिए: नए बेकर्स और उत्सुक कुक्क के लिए शेफ डेन ट्रैनिंग भले गेम हैं। इसमें मीनी हिस्ट्र्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे स्वीकार कर सकें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल में यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूँ कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही हैं, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सर्वाधिक मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक स्वीडन में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है। रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5प्रतिशत से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और क्मोडिटी जैसे सेक्टरों की ‘बैड वेल्थ’ की तुलना में टेक और मैन्यूफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की ‘गुड वेल्थ’ अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और क्मोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज ‘गुड बिलियनेअर्स’

की संख्या ‘बैड बिलियनेअर्स’ की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्योगों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में ‘गुड वेल्थ’ का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुक्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन कम, विरासत, रिगिंग और अवल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। ऊठ्टे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विपसत (इनहेरिटेस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और इंजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे बढ़ा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

सरकार गिराने वाले जेनज़ी लीडर चुनाव से किनारा,बोले-हम भारत विरोधी नहीं, जरूरत पड़ी तो फिर आंदोलन करेंगे

काठमांडू। ‘अगर चुनाव बाद देश को फिर से बदलाव की जरूरत पड़ी, तो हम किसी भी वक्त, किसी भी जगह फिर आंदोलन के लिए तैयार हैं। कुछ लोग एंटी-इंडिया प्रचार की कोशिश करते हैं, लेकिन हम असल जेनज़ी लीडर भारत को लेकर कोई नेगेटिव सेंटिमेंट नहीं

युवाओं का नजरिया समझने की कोशिश कर रही हैं।’टंका धामी नई सरकार से उम्मीद करते हैं कि वे युवाओं को नेतृत्व में शामिल करे और करप्शन खत्म करे। वे कहते हैं, ‘अगर जमीनी हकीकत देखी जाए तो नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को समर्थन मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि हमारे नेता देश



रखते हैं।’ नेपाल में हुए जेनज़ी प्रोटेस्ट के बड़े चेहरों में से एक टंका धामी आने वाले चुनाव को लेकर उत्साहित हैं। वे मानते हैं कि प्रोटेस्ट ने चुनाव में पॉलिटिकल पार्टियों की प्राथमिकताएं बदल दी हैं। हालांकि एक और जेनज़ी लीडर तनुजा पांडे की राय इससे अलग है। वे कहती हैं, ‘सियासी दलों ने हमारे आंदोलन का जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया और फिर नजरअंदाज कर दिया।’ नेपाल में बीते साल 8-9 सितंबर को जेनज़ी प्रोटेस्ट हुए। इसके बाद अब पहली बार 5 मार्च को चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में जेनज़ी आंदोलन से निकले लीडर्स कहाँ हैं? भारत को लेकर नेपाल का जेनज़ी क्या सोचता है और नई सरकार से उनकी क्या उम्मीदे हैं। ये जानने के लिए हमने काठमांडू में जेनज़ी प्रोटेस्ट के बड़े लीडर्स और आम लोगों से बात की। सितंबर से नेपाल में सूशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चल रही है। चुनाव भले चरम पर हैं लेकिन काठमांडू की सड़कें भारत की तरह बेनर पोस्टर से पटी नजर नहीं आतीं। सड़क किनारे चुनावी सभाएं जरूर होती दिख जाती हैं।

जेनज़ी प्रोटेस्ट के वक्त संसद, सुप्रीम कोर्ट से लेकर कई सरकारी भवनों में आगजनी की गई थी। दीवारों पर उनके निशान अब भी हैं। नुकड़ों से लेकर चुनावी सभाओं में एक जिक्र बार-बार आता है, वो है जेनज़ी का। इससे समझ आता है कि जेनज़ी प्रोटेस्ट के बाद हो रहे पहले चुनाव पर किन मुद्दों का असर रहने वाला है।हमने जेनज़ी लीडर टंका (पंकज) धामी से इसे और समझने की कोशिश की। टंका फिलहाल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी में सेंट्रल कमेट्री मेबर के तौर पर एक्टिव हैं। पूछने पर की इस चुनाव में जेनज़ी प्रोटेस्ट के बड़े चेहरे कहाँ हैं? इस पर वे बताते हैं, ‘प्रोटेस्ट के दौरान जो साथी जुड़े थे, वे अब अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों में हैं। जिनसे उनके विचार मिलते हैं, वे उनके साथ जुड़ गए।’ प्रोटेस्ट के जरिए हमने देश की सियासी सोच बदलने की कोशिश की थी। बदलाव एक दिन में नहीं आता, उसके लिए समय और सियासी समझ दोनों चाहिए। हम किसी को राजनीति से दूर नहीं रखना चाहते। हर व्यक्ति को राजनीति में हिस्सा लेने का अधिकार है। इसलिए हमने तय किया कि हममें से कुछ लोग नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर काम करेंगे।’

टंका धामी दावा करते हैं कि अब सभी पार्टियां करप्शन और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर ज्यादा सजग दिख रही हैं। वे

को आगे बढ़ाने की पहल करेंगे। जहां तक बालेन शाह और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का सवाल है, हमें उनके एजेंडे और डेवलपमेंट के प्लान पर संदेह है। देश को आगे कैसे बढ़ाया जाएगा, हमें इसका क्लियर रोपमैप चाहिए, जो उनके पास नजर नहीं आता।’ टंका धामी जेनज़ी के बीच भारत विरोधी सेंटीमेंट के दावों को गलत बताते हैं।



वे कहते हैं, ‘भारत के साथ हमारा सनातन काल से गहरा रिश्ता रहा है। हम चाहते हैं कि भारत, नेपाल के विकास और तरक्की में सहयोग करे। कुछ लोग एंटी-इंडिया प्रचार की कोशिश करते हैं, लेकिन हम भारत को लेकर कोई ऐसा सेंटीमेंट नहीं रखते। हम दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते चाहते हैं।’हमने टंका धामी की तरह ही जेनज़ी प्रोटेस्ट के बड़े चेहरों से एक टनुजा पांडे से भी बात की। वे फिलहाल किसी पार्टी से नहीं जुड़ी हैं। तनुजा कहती हैं कि आंदोलन से जुड़े बहुत कम लीडर्स इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि वे प्रोटेस्ट से निकले लोगों की राजनीति में हिस्सेदारी देखना चाहती हैं। तनुजा आरोप लगाते हुए कहती हैं, ‘नई पीढ़ी को राजनीति में उसका हिस्सा नहीं मिला है। पॉलिटिकल पार्टियों ने जरूरत पड़ने पर हमारे आंदोलन का इस्तेमाल किया और फिर नजरअंदाज कर दिया, जो बेहद निराशराजनक है।’ ‘संसाधनों के लिहाज से नेपाल में चुनाव लड़ना आसान नहीं है। हमारा इरादा कभी राजनीतिक पार्टी जॉइन करना नहीं था, बल्कि मौजूदा पार्टियों में सुधार लाना था। आज उन्हीं पार्टियों के भीतर युवा कार्यकर्ता अपने नेताओं से जवाब मांग रहे हैं।’ चुनाव को लेकर तनुजा कहती हैं, ‘नेपाल इस समय ट्रांजीशन फेज में है। चुनाव में सिर्फ चंद दिन बाकी हैं और देश में मिली-जुली भावना है। कुछ लोग राजनीति में आई नई ताकतों से उम्मीद कर रहे हैं। जबकि कुछ पुरानी लीडरशिप की वापसी से डर रहे हैं।’ वे सभी दलों पर

आरोप लगाती हुए कहती हैं, ‘किसी भी पॉलिटिकल पार्टी ने 8 और 9 सितंबर की घटनाओं की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की स्पष्ट मांग नहीं की है। हमें चुनाव चाहिए क्योंकि लोकतंत्र में इसका कोई विकल्प नहीं है लेकिन कई सवालों के जवाब हमें अब तक नहीं मिले हैं। ये जाने बिना वोटिंग करना दुविधा भरा है कि 8 और 9 सितंबर को क्या हुआ, किसने हमारे दोस्तों की हत्या की और किसने आगजनी।’क्या जेनज़ी आंदोलन के मुद्दे चुनाव में दिख रहे? इस पर तनुजा कहती हैं, ‘जेनज़ी के उठाए मुद्दे पार्टियों के चुनावी घोषणापत्रों में जरूर हैं लेकिन उनके इरादों में नहीं हैं।’ हालांकि वे ये भी मानती हैं कि करप्शन एक गंभीर मुद्दा है, जो सिस्टम का हिस्सा बन चुका है। इसलिए इसे खत्म करने में वक्त लगेगा। वे आगे कहती हैं, ‘अभी जो संकेत दिख रहे हैं, वे बहुत उत्साह नहीं देते। क्योंकि कई पुराने करप्ट लोग फिर चुनाव लड़ रहे हैं। अगर वे संसद में लौटे तो लोकतंत्र के नाते हमें नतीजें स्वीकारने होंगे, लेकिन जिन ताकतों के खिलाफ हमने आंदोलन किया, उन्हें फिर स्वीकार करना हमारे लिए मुश्किल होगा।’इस चुनाव को तनुजा विदेश नीति के लिहाज से भी जरूरी मानती हैं। वे कहती हैं, ‘नेपाल जियोपॉलिटिक्स के



लिहाज से अहम है। उसमें भारत और चीन जैसे पड़ोसियों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। ये हमारी लीडरशिप पर निर्भर करता है कि वो इसे देश हित में कैसे इस्तेमाल करती हैं।’ हाल के दिनों में सामने आए कुछ नेताओं के भारत विरोधी बयानों को तनुजा गलत बताती हैं। वे कहती हैं, ‘हमारी विदेश नीति गुटनिरपेक्षता पर आधारित है और हमें उसी पर कायम रहना चाहिए। भट्टो-नेशनलिज्म हमें कहीं नहीं ले जाएगा। नेताओं को पड़ोसियों के बारे में भड़काऊ बातें करने के बजाय उनसे



बातचीत करनी चाहिए। हम भारत और चीन दोनों से अच्छे रिश्ते चाहते हैं।’ जेनज़ी प्रोटेस्ट के वक्त बालेन शाह का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहा था। रैंपर से राजनेता बने बालेन की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को जेनज़ी का फेवरेट माना जा रहा था। हालांकि तनुजा इससे इत्तेफाक नहीं रखतीं। वे मानती हैं कि बालेन शाह वादे करते हैं, लेकिन काम में कच्चे हैं। वे बालेन को जेनज़ी के सपोर्ट करने के दावे को गलत बताती हैं। 24 साल

की मोनिका स्टूडेंट हैं। वे चाहती हैं कि अब देश में एक स्थिर सरकार बने। करप्शन रुके और सबको रोजगार मिले। वे बालेन शाह का समर्थन करती हैं। मोनिका कहती हैं, ‘जो प्रोटेस्ट हुआ था, उसका असर इस चुनाव में जरूर दिखेगा। ये चुनाव बदलाव के लिए ही हो रहा है और हमें उम्मीद है कि अब बदलाव होगा। हमें बालेन शाह जैसा नया लीडर चाहिए। हम चाहते हैं कि लोग घंटी (बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का चुनाव चिन्ह) को वोट दें।’ 25 साल की स्टूडेंट दीपा खड़का भी करप्शन को बड़ा मुद्दा मानती हैं। वे कहती हैं, ‘प्रोटेस्ट के बाद हमें उम्मीद है कि हालात पहले से बेहतर होंगे। जो कुछ हुआ, वो करप्शन की वजह से हुआ इसलिए अब इसका अंत होना चाहिए। हमें उसी बदलाव की उम्मीद है।’5 मार्च को होने वाले चुनाव में 8 लाख नए वोटर भी हैं। इन फर्स्ट टाइम जेनज़ी वोटर्स पर सभी पार्टियों की नजर है। इनमें से एक 21 साल के अपशन चंद महेंद्रनगर के कंचनपुर में रहते हैं। वे काठमांडू में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। अपशन मानते हैं कि आने वाला चुनाव काफी क्रांतिकारी साबित हो सकता है। करप्शन और बेरोजगारी जैसे मुद्दों के सवाल पर अपशन हताशा बताते हैं। वे कहते हैं, ‘मुझे नहीं लगता कि अचानक कोई बड़ा बदलाव दिखेगा, क्योंकि करप्शन नीचे से लेकर ऊपर तक है। अगर सरकार बदलती है और युवाओं को लीडरशिप का मौका मिलता है, तो उम्मीद है कि एक-दो साल में कुछ बदलाव दिखें।’ बेरोजगारी के मुद्दे पर वे आगे कहते हैं, ‘स्थिति गंभीर है। नेपाल एक अंडर-डेवलपिंग देश है। यहां 30फीसदी से ज्यादा युवा नौकरी के लिए विदेश जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि नई सरकार नई नीतियां लाएगी और जॉब के मौके बढ़ाने के लिए काम करेगी।

हालांकि तुरंत बदलाव मुश्किल है, इसमें वक्त लगेगा।’ चुनाव में अपशन नए चेहरों को सपोर्ट करने की बात करते हैं। वे मानते हैं कि देश की बागडोर अब नए और युवा लीडर्स के हाथ में होनी चाहिए। सिर्फ प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि लोकल लेवल से उभरने वाले युवा लीडर्स भी देश के डेवलपमेंट में बड़ा रोल अदा कर सकते हैं।अपशन की तरह ही 21 साल के पिसभत्ता भी फर्स्ट टाइम वोटर हैं। वे काठमांडू यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। पिसभत्ता प्रोटेस्ट को याद कर दुखी हो जाते हैं।

वे बताते हैं, ‘मैं प्रोटेस्ट के दिन एजाम देने गया था। एग्जाम खत्म होने पर खबर मिली कि इसमें कई लोग मारे गए। सुनकर बहुत बुरा लगा। ऐसा लग कि करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने वाले युवाओं को इसकी कीमत जान देकर चुकानी पड़ी।’ पिसभत्ता मानते हैं कि प्रोटेस्ट का चुनाव पर असर जरूर पड़ेगा। पहले बहुत लोग बार-बार एक ही पार्टी को वोट देते थे, लेकिन अब वो वोट देने पहले एक बार जरूर सोचेंगे और शायद दूसरी पार्टी को भी मौका देंगे। आने वाले चुनावों से पिसभत्ता को बड़े बदलाव की उम्मीद है। वे कहते हैं, ‘एक युवा के तौर पर मेरी उम्मीद है कि देश में बेहतर डेवलपमेंट हो, करप्शन खत्म हो और सरकार में बदलाव आए। पहले एक ही पार्टी की सरकार बार-बार आती रही इसलिए उस तरह का बदलाव नहीं दिखा और करप्शन बना रहा। अबकी बदलाव होना चाहिए, इसलिए मैं नई सरकार का समर्थन कर रहा हूं।’ ‘दोबारा प्रोटेस्ट करने की जरूरत पड़ी तो हम उसके लिए भी तैयार हैं। युवाओं में ऊर्जा की कमी नहीं है, बदलाव और रिफॉर्म के लिए हम सब कुछ करेंगे।’

इजराइल-ईरान जंग पाक में खामेनेई की मौत पर हिंसक प्रदर्शन,7 मरे,श्रीनगर में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

नई दिल्ली। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में सोमवार को पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर

9.30 बजे पीएम मोदी के आवास पर सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें शाह, राजनाथ, सीडीएस चौहान, वित्तमंत्री भी शामिल

नागरिक रहते हैं, पढ़ते और काम करते हैं। जबकि 40,000 से ज्यादा इजराइल में रहते हैं। गल्फ और वेस्ट एशिया में करीब



(पीओके) में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के ऑफिस में आग लगाई है, जिसमें गिलगित में यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम का ऑफिस भी शामिल है। वहीं, स्कर्दू में एसपी ऑफिस और कई सरकारी इमारतों में भी आग लगाई गई। प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की वजह से 7 प्रदर्शनकारी मारे गए, 12 से ज्यादा घायल हैं। यहां पर अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित की गई है। गिलगित और स्कर्दू में सिक्थोरिटी हाईअलर्ट पर है।

रविवार को पाकिस्तान के कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में खामेनेई की मौत के विरोध में हंगामा हुआ था। घुसपैठ करने वाले प्रदर्शनकारियों पर दूतावास के अंदर से गोलियां चलाई गई थीं। अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। 10 से ज्यादा घायल हैं। हंगामा इमामिया छात्र संगठन ने किया था।

भारत में भी खामेनेई की मौत के विरोध में शिया समुदाय सड़कों पर उतरा। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में आज कर्फ्यू के हालात हैं, यहां पर इंटरनेट डाउन है। शोपियां, बारामूला में लोगों



ने बाजार बंद रखा है।श्रीनगर के लालचौक पर बैरिकेडिंग की गई है। एक्सट्रा फोर्स भी तैनात किया गया। इंटरनेट भी डाउन है। बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों और भारत में सुरक्षा को लेकर 1 मार्च की रात करीब

बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। पीएम ने बताया था कि भारत ने यूएई पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत इस मुश्किल समय में उनके साथ है। वहां रहने वाले भारतीयों का

ध्यान रखने के लिए यूएई का धन्यवाद है। हम तनाव कम करने, शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करते हैं। पीएम ने यह भी बताया कि इजराइल के घटनाक्रमों पर भारत ने चिंता जताई है। भारत ने नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया है। यही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारत दुश्मनी को जल्द खत्म करने की जरूरत पर फिर से जोर देता है। ईरान में करीब 10 हजार भारतीय

एलओसी के पास ड्रोन घुसपैठ के चलते जम्मू-कश्मीर में 2-3 मार्च को स्कूल बंद रहेंगे

जम्मू।नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ पाकिस्तानी



ड्रोन घुसपैठ के कई प्रयासों के चलते जम्मू और कश्मीर के सभी स्कूल 2 और 3 मार्च को बंद रहेंगे।कश्मीर के विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने एक आदेश जारी कर कहा है कि शीतकालीन अवकाश के बाद आज से कक्षा

दिया गया है। रविवार तड़के जम्मू और कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पास भारतीय सेना ने 2-3 छोटे ड्रोन मार गिराए थे। इन्हीं ड्रोन की घुसपैठ के चलते स्कूलों को बंद करने का फैसला किया गया है।

90 लाख भारतीय हैं। मिडिल-ईस्ट के बंद एयरस्पेस के चलते 1 मार्च को भारतीय घरेलू एयरलाइंस की 350 उड़ानें रद्द की गईं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी फ्लाइट की स्थिति लगातार ट्रैक करते रहें।कुवैत में भारतीय एम्बेसडर, एम्बेसडर परमिता त्रिपाठी ने कुवैत में भारतीय समुदाय के लगभग 100

के नेतृत्व में सरकार ऐसी परिस्थितियों में तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाती है। पहले की सरकारें इस तरह की व्यापक सहायता नहीं दे पाती थीं, जबकि अब विदेश मंत्रालय अपने विदेश स्थित मिशनों के जरिए समन्वित तरीके से काम कर रहा है।जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खामेनेई की मौते के विरोध में लगातार दूसरे दिन हत्या के विरोध में शिया समुदाय प्रदर्शन कर रहा है। बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।महाराष्ट्र में पुणे के कोंधवा में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में शिया समुदाय के लोगों ने खामेनेई की तस्वीर वाले पोस्टर लगाए और उन्हें श्रद्धांजलि दी।जम्मू-कश्मीर के किस्तवाड़ के शोपियां में लोगों ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में दुकानों को बंद रखा है। यहां पर सुरक्षाबल की भी तैनाती की गई है। पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर खेमेनेई के विरोध में प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस के लोकल ऑफिस में आग लगाई



जाने-माने सदस्यों और भारतीय एसोसिएशन के प्रमुखों के साथ एक वर्चुअल बातचीत की। इनमें कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, ओमान, लेबनान के भारतीय दूतावासों ने वहां फंसे भारतीयों के लिए एववाइजरी भी जारी की है।ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताने के लिए हुए विरोध प्रदर्शनों और सभाओं के बाद नेशनल कैपिटल के कई हिस्सों में सिक्थोरिटी बढ़ा दी गई है। सावधानी के तौर पर सेंसिटिव इलाकों, खासकर डिलोमैटिक मिशनों और शिया आबादी वाले इलाकों में और पुलिस तैनात की गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में बांदिपेरा में आज स्थानीय लोगों ने बाजार बंद का ऐलान किया। यहां के सुंबल में शिया बहुल इलाकों में सुरक्षाबल की तैनाती है। हालांकि बंद के बीच सड़कों पर प्राइवेट गाड़ियों सामान्य रूप से चल रही हैं। प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि शांति बनी रहे।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार तेजी से काम कर रही है। पीएम मोदी

है, जिसमें गिलगित में यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम का ऑफिस भी शामिल है। स्कार्दू में एसपी ऑफिस और कई सरकारी इमारतों में भी आग लगा दी गई। प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की वजह से सात प्रदर्शनकारी मारे गए और एक दर्जन से ज्यादा घायल हुए हैं। अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। गिलगित और स्कार्दू में सिक्थोरिटी को हाई अलर्ट पर रखा गया है।ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके चलते पैसेंजर फंसे हुए हैं। पैसेंजर्स का कहना है कि मिडिल ईस्ट जाने वाली कई फ्लाइट्स कैंसिल हो रही हैं। रमजान के दौरान मक्का और मदीना की यात्रा करना मुश्किल हो गया है। एक पैसेंजर ने कहा कि मैं ट्रैवल इंडस्ट्री में काम करता हूं। मुंबई से एयर इंडिया की एक फ्लाइट, जिसमें मेरे कुछ क्लाइट्स को यात्रा करनी थी, कैंसिल हो गई है। हमें फ्लाइट के रीशिड्यूल करने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है। यहां के लोग रमजान के दौरान मक्का और मदीना में इबादत करने जाते हैं।

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट दो और घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़, मृतक संख्या 19 हुई,21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस,9 गिरफ्तार

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोल-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल



एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल

राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करने के लिए परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने लिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्फोट के कारणों की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

अरिजीत सिंह गुरुद्वारे में कीर्तन गाया करते थे,अरिजीत के पिता ने बताया कि लाहौर से उनका सिख परिवार बंगाल में कैसे बस गया?

कोलकाता। सिंगर अरिजीत सिंह के पिता सुरिंदर सिंह ने हाल

आ गए। बंटवारे के समय कई परिवारों की तरह उन्हें भी सब



ही में बताया कि विभाजन के बाद उनका सिख परिवार लाहौर से पश्चिम बंगाल के जियागंज आकर बस गया। उन्होंने यह भी कहा कि अरिजीत बचपन में गुरुद्वारे में कीर्तन गाते थे। द टेलीग्राफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उनके पिता सुरिंदर सिंह ने परिवार की पुरानी कहानी बताई। उन्होंने बताया कि उनका पैतृक घर लाहौर के पास था। देश के बंटवारे के बाद उनके पिता और तीनों भाई पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के ललगोला आ गए थे। उन्होंने कहा, 'हमारा पैतृक घर लाहौर के पास था। बंटवारे के बाद मेरे पिता और उनके तीन भाई ललगोला

कुछ छोड़कर नई जगह से शुरुआत करनी पड़ी। वे कपड़े का कारोबार करते थे। बाद में परिवार मुर्शिदाबाद जिले के छोटे से शहर जियागंज आकर बस गया। सुरिंदर सिंह ने कहा, 'वे कपड़े के व्यापारी थे और किसी तरह जियागंज पहुंच गए और नदी के किनारे अपना घर बना लिया।' ललगोला से परिवार धीरे-धीरे जियागंज में बस गया। उनके कुछ रिश्तेदार पंजाबीपाड़ा इलाके में रहने लगे। वहां सिख समुदाय ने एक गुरुद्वारा बनाया। समय के साथ जियागंज सिर्फ रहने की जगह नहीं रहा, बल्कि घर बन गया। अरिजीत सिंह बचपन

में घर और मोहल्ले में शोनु नाम से जाने जाते थे। साल 2013 में बड़ी पहचान मिलने के बाद भी उनका रिश्ता इस शहर से जुड़ा रहा। संगीत बचपन से ही उनकी जिंदगी का हिस्सा था। उनके पिता ने बताया कि वे खास मौकों पर अपनी मां के साथ गुरुद्वारे जाते थे और कीर्तन गाते थे। सुरिंदर सिंह ने बेटे की सफलता पर अपनी भावना भी बताई। उन्होंने कहा, 'मजा आता है। मुझे अच्छा लगता है। लोग मुझसे पूछते हैं कि आपका बेटा क्या कर रहा है और उसका अगला प्रोजेक्ट क्या है।' मुंबई में काम करने के बावजूद अरिजीत का मन जियागंज से जुड़ा रहा। उनके पिता ने कहा, 'यह बहुत शांत जगह है। मेरा बेटा मुंबई में नहीं रह पाया और वापस आ गया। इस मिट्टी में ऐसा खिंचाव है।' आज भी वे जियागंज से जुड़े हुए हैं। उनके बच्चे यहीं पढ़ाई कर रहे हैं। वे शहर के स्कूल और दूसरी सुविधाओं के लिए कई चैरिटी प्रोजेक्ट भी चला रहे हैं। 27 जनवरी को अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस खबर से उनके फैंस हैरान रह गए। म्यूजिक इंडस्ट्री में भी इस फैसले पर चर्चा शुरू हो गई। इस बीच उनका नया गाना 'रैना' रिलीज हुआ है। इस गाने को शेरार रवजियानी ने कंपोज किया है और इसके बोल प्रिया सरैया ने लिखे हैं।

बॉयफ्रेंड पजेसिव था तो ब्रेकअप कर लिया,अब वो अमीर हो गया है तो उसे मिस कर रही हूं, क्या मेरी फीलिंग सही है?

नयी दिल्ली। मामले को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. जाया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा

है- क्या मैं उसे सच में मिस कर रही हूं या फिर उसके अमीर होने की खबर से मुझे दुख हो रहा है।

आपको लगता है कि काश, मैं भी यूएस-ईरान तनाव को लेकर प्रतिक्रिया दी। खामेनेई की मौत की खबर पर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने खुशी जताई। एलनाज नौरोजी ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा, '47 साल से जिस खबर का इंतजार कर रहे थे, वो आ गई। खामेनेई मर गया है। भगवान सबसे बड़ा है।' एलनाज ने एक अन्य स्टोरी में अली खामेनेई की मौत से जुड़ी खबर शेयर करते हुए थैंक्यू लिखा और खुशी वाले इमोजी भी पोस्ट किए। एलनाज नौरोजी ने ईरान में



से सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मैं 28 साल की हूं और करीब दो साल तक एक रिलेशनशिप में थी। मैंने उस रिश्ते को निभाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। मेरा बॉयफ्रेंड मुझसे बहुत प्यार करता था, लेकिन वो जरूरत से ज्यादा ही प्रोटेक्टिव और शक्की मिजाज था। वो हर वक्त यह जानना चाहता था कि मैं कहाँ हूँ, किससे बात कर रही हूँ, क्या पहन रही हूँ, यहां तक कि सोशल मीडिया पर किससे कनेक्ट हूँ। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि ये प्यार नहीं, एक तरह का कंट्रोल है। कई बार हमने इस बात को लेकर बहस की, पर कुछ सुधरा नहीं। अखिरकार मैंने ब्रेकअप कर लिया। ब्रेकअप के बाद भी मैं पूरी तरह उबर नहीं पाई। मैं कभी-कभी उसकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल देखती थी। कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि उसने लैंड रोवर गाड़ी खरीदी है। पता चला कि उसकी फैंमिली के जो खेत थे, वहां से हाईवे निकला है। पहले वो एक साधारण मिडिल

क्या ये फीलिंग्स नॉर्मल हैं? क्या मुझे उससे माफी मांगकर दोबारा कोशिश करनी चाहिए? जवाब: सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप अकेली नहीं हैं। आपने जो महसूस किया और जो सवाल पूछे, वो बहुत से लोग अपने दिल में सोचते हैं। 28 साल की उम्र में आपने दो साल तक एक रिश्ते को दिल से निभाया। ये आसान नहीं होता, खासकर तब जब वो रिश्ता आपको खुशी की जगह घुटन देने लगे। आपने हिम्मत दिखाई और खुद को उस टॉक्सिक रिलेशनशिप से बाहर निकाला, ये बहुत बड़ी बात है। अपने लिए ऐसा फैसला लेना हर किसी के बस की बात नहीं होती। अब जो आप महसूस कर रही हैं- वो बेवैनी, वो अफसोस ये सब ईंसान होने की निशानी है। जब हम किसी के साथ इतना वक्त बिताते हैं और फिर वो हमारी जिंदगी से चला जाता है, तो उसकी लाइफ के अपडेट्स सुनकर मन में उथल-पुथल होना आम बात है। खासकर तब, जब वो ईंसान अचानक बहुत

सवाल ये है कि क्या आप उसे सचमुच मिस कर रही हैं या उसकी नई चमक-दमक को? अगर वो आज भी वही मिडिल-क्लास लड़का होता, जिसके पास न गाड़ी होती, न पैसे होते तो क्या तब भी आप उसे इतना याद करतीं? शायद नहीं। इसलिए हो सकता है कि आपको दुख उसके जाने का कम और उसकी नई जिंदगी का हिस्सा न होने का ज्यादा हो। आपने जो बताया, उससे यह स्पष्ट है कि वो रिश्ता आपके लिए सही नहीं था। प्यार में ईंसान को अपने पार्टनर की फिक्र होती है, पर किसी को हर कदम पर कंट्रोल करना प्यार नहीं होता। वो हर वक्त आप पर नजर रखता था, कहां जा रही हो, क्या पहन रही हो, किससे बात कर रही हो। ये सब सुनने में प्यार जैसा लग सकता है, पर असल में ये घुटन की तरह महसूस होता है। अगर वो आपके लिए सही ईंसान होता तो आपको उससे दूर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। आप खुश रहतीं, अपने फैसले ले पातीं और वो आप पर भरोसा करता। लेकिन ऐसा नहीं था। इसलिए ब्रेकअप आपकी गलती नहीं थी, बल्कि ये आपका सबसे समझदारी भरा कदम था। अब उसकी अमीरी को देखकर ये मत सोचिए कि आपने गलत किया। पैसा जिंदगी को आसान बना सकता है, पर रिश्ते को नहीं। अगर वो पहले कंट्रोलिंग था, तो पैसा आने से उसका स्वभाव न ा ह ा ~ बदलगा।आपका



क्लास लड़का था, लेकिन अब रातोंरात करोड़पति हो गया है। उसके इंस्टाग्राम से पता चलता है कि वो काफी एलीट लाइफ स्टाइल इजॉय कर रहा है। आए दिन क्लबिंग और पार्टी चल रही है। ये जानकर मन में अजीब-सा अफसोस हुआ। अब जब वो इतना अमीर हो गया है तो मैं उसकी जिंदगी में नहीं हूँ। मुझे समझ नहीं आ रहा

आगे बढ़ जाता है। क्या आप सच में उसे मिस कर रही हैं या कुछ और है? हम सब अच्छी जिंदगी के सपने देखते हैं। ऐसी जिंदगी, जिसमें पैसों की टेंशन न हो, शानदार गाड़ियां हों, छुट्टियों की प्लानिंग हो और हर दिन खुशी से बीत रहा हो। जब आप अपने एक्स की नई जिंदगी देखती हैं, उसकी लैंड रोवर, उसकी पार्टियां, तो शायद

दो साल का रिलेशनशिप था। इतने वक्त में बहुत सारी यादें बन जाती हैं। ऐसे में उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है, ये जानने का मन करना स्वाभाविक है। इंस्टाग्राम पर उसकी नई-नई तस्वीरें देखना आपके लिए एक आदत बन गई होगी। लेकिन सच ये है कि सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ अपनी अच्छी चीजें दिखाते हैं।

ईरान पर हमले पर जावेद अख्तर का रिएक्शन कहा- इस बार अमेरिका और इजरायल ने हद पार कर दी है

मुंबई। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान के

महिलाओं के अधिकारों पर खुलकर बात की है। अक्टूबर



खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई पर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुझे लगता है कि इस बार ट्रंप और इजराइल ने हद से ज्यादा कदम उठा लिया है। अगर उन्हें इस तरह की हिम्मत दिखाने और इराक की तरह ईरान के साथ भी ऐसा करने की छूट मिल जाती है, तो चीन की दुनिया में पूरी साख खत्म हो जाएगी।' उन्होंने आगे लिखा, 'नेतन्याहू और ट्रंप ने, बाकी दबंग नेताओं की तरह, हालात को इतना आगे बढ़ा दिया है कि दूसरों के पास मजबूरी में कड़ा और साफ फैसला लेने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।'

2022 में उन्होंने ईरान की तथाकथित 'मॉरालिटी पुलिस' के खिलाफ एक प्रतीकात्मक और विवादास्पद विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो



शेयर किया, जिसमें वे बुक्रे से लेकर कई परतों वाले कपड़े उतारती नजर आईं। इस कदम के जरिए उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी महिला को क्या पहनना है, इसका फैसला वही स्वयं करे। सितंबर 2022 में 22 साल की महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु के बाद जब ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, तब एलनाज ने खुलकर प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। उन्होंने कहा था कि जो महसा के साथ हुआ, वह किसी भी महिला के साथ हो सकता है। एलनाज को पहचान नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' से मिली, जिसमें उन्होंने जोया का

किरदार निभाया था। इसके अलावा उन्होंने हॉलीवुड फिल्म कंधार में जेराई बटलर के साथ काम किया। एलनाज के अलावा ईरान की स्थिति को लेकर ईरानी मूल की एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने भी प्रतिक्रिया दी। मंदाना ने खामेनेई की मौत की खबर पर रोने वाले एंकर का मजाक उड़ाया। मंदाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'खामेनेई की मौत की खबर सुनाते हुए के एंकरों को रोते और बिलखते देखना, इससे बढ़कर सुकून देने वाली बात कुछ नहीं। बता दें कि मंदाना करीमी एक ईरानी मॉडल और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने भाग जॉनी और क्या कूल हैं हम 3 जैसी भारतीय फिल्मों में काम किया है। साथ ही वह रियलिटी शो बिग बॉस 9 और लॉक अप में भी नजर आ चुकी हैं। वहीं, एजाज खान ने एक वीडियो शेयर करते हुए दुनिया के मौजूदा हालात पर

यूएस-ईरान तनाव के बीच अबू धाबी में हैं ईशा गुप्ता कहा- मैं सुरक्षित हूँ, समय बहुत कठिन है, एक्ट्रेस ने जल्द भारत लौटने की उम्मीद जताई

मुंबई। फिल्म 'जन्नत' 2 फेम और एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने रविवार को बताया कि अमेरिका और इजराइल द्वारा

दिल से आभारी रहूंगी।' सोनल चौहान दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे कई यात्रियों में शामिल हैं। अचानक उड़ानें



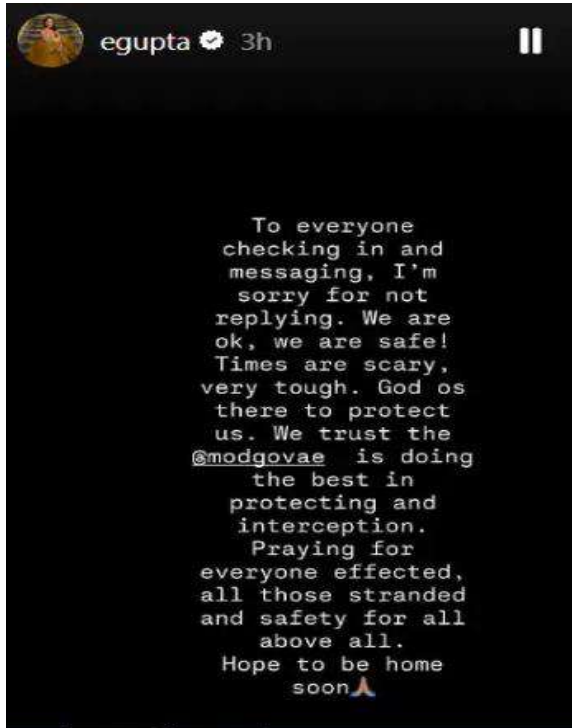
ईरान पर मिसाइल हमलों के बाद बढ़े यूएस-ईरान संघर्ष के बीच वह इस समय संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय डरावना है और उन्होंने उम्मीद जताई कि वह जल्द ही भारत लौटेंगी। ईशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'जो भी लोग हालचाल पूछ रहे हैं और मैसेज कर रहे हैं, मैं जवाब न देने के लिए माफी चाहती हूँ। हम ठीक हैं, हम सुरक्षित हैं। समय डरावना

रह होने से यात्री असमंजस की स्थिति में हैं और आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में एयरपोर्ट टर्मिनल पर भारी भीड़ और चिंतित यात्रियों को देखा जा सकता है। यह संकट पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद शुरू हुआ है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर संयुक्त हमलों के बाद स्थिति



है, बहुत कठिन है।' उन्होंने आगे लिखा, 'भगवान हमारी रक्षा के लिए हैं। हमें भरोसा है कि संयुक्त अरब अमीरात का रक्षा मंत्रालय लोगों की सुरक्षा और बचाव के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहा है।

और बिगड़ गई। इसके जवाब में कई देशों, जिनमें ईरान और इराक शामिल हैं, ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा है। इस बीच, फिल्म क्रिटिक और



सभी प्रभावित लोगों के लिए, जो भी फंसे हुए हैं, उनकी सुरक्षा के लिए सबसे बढ़कर प्रार्थना कर रही हूँ। उम्मीद है जल्द ही घर लौटूंगी।' बता दें कि इससे पहले शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आसमान की तस्वीर शेयर कर 'अबू धाबी' लिखकर अपनी लोकेशन की पुष्टि की थी। वहीं, एक्ट्रेस सोनल चौहान यूएई के दुबई में फंसी हुई हैं। हाल ही में ईरान ने यूएई समेत दुनिया के 8 देशों में वर्तमान में जारी संकट के बीच दुबई में फंसी हुई हूँ। उड़ानें रद्द हो गई हैं और भारत लौटने का कोई स्पष्ट तरीका नहीं है। मैं सुरक्षित घर वापसी के लिए सरकार से मार्गदर्शन और सहयोग की उम्मीद करती हूँ। किसी भी सहायता के लिए मैं

एक्टर कमाल आर खान उर्फ केआरके, जो अपने परिवार के साथ दुबई में रहते हैं, ने सोशल मीडिया पर दुबई के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने लिखा कि तेज धमाकों की वजह से उनका परिवार पूरी रात सो नहीं पाया। उन्होंने इसे शहर के लोगों के लिए खतरनाक स्थिति बताया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक

डॉ. दीपक अरोरा

द्वारा रामा प्रिंटेर्स

53/25/1 ए बेली रोड

न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से

मुद्रित एवं सी-41यपी

एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।

संपादक/प्रकाशक

डा.पुनीत अरोरा

मो.नं.09415608710

RNINO.UPHIN/2015/63398

www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।